मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 18 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 9 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 72 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▸▸ कांग्रेस के घटते चंदे ने उड़ाई पार्टी नेताओं की नींद

मुझे 16 साल की उम्र में ही पता चल गया था कि अभिनेत्री बनूंगी : दीपिका पादुकोण ◂◂ 6

रिम्स जमीन घोटाले में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

पूर्व डीसीएलआर समेत छह अधिकारी गिरफ्तार

संवाददाता

रांची : रिम्स की जमीन की अवैध खरीद-बिक्री और अतिक्रमण के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रांची के पूर्व भूमि सुधार उपसमाहर्ता (डीसीएलआर) मनोज कुमार रंजन समेत छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारियों में बड़ागाईं अंचल के पूर्व अंचल अधिकारी शैलेश कुमार और रांची टाउन के पूर्व अंचल अधिकारी राजेश कुमार भी शामिल हैं।

एसीबी की इस कार्रवाई में तत्कालीन जिला अवर निबंधक अविनाश कुमार, राहुल कुमार चौबे और वैभव मणि त्रिपाठी को भी गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई पांच जनवरी 2026 को दर्ज रांची थाना कांड संख्या 01/2026 के तहत की है।

जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने सरकारी पदों पर रहते हुए निजी आर्थिक लाभ के उद्देश्य से आपराधिक षड्यंत्र रचा और अपने अधिकारों का दुरुपयोग



किया। एसीबी को इनके खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और पद के दुरुपयोग से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसीबी ने बताया कि मामले की जांच और आगे की कार्रवाई जारी है।

हाईकोर्ट के आदेश पर हो रही जांच : गौरतलब है कि झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर एसीबी रिम्स की जमीन की अवैध खरीद-बिक्री और अतिक्रमण के मामले की जांच कर रही है। इससे पहले जून 2026 में जाली दस्तावेजों के आधार पर रिम्स की जमीन पर कब्जा कर अपार्टमेंट बनाने के आरोप में बिल्डर शुभम साबू को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, अप्रैल 2026 में सरकारी जमीन की अवैध खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में राजकिशोर बड़ाईक, कार्तिक बड़ाईक, राजेश कुमार झा और चेतन कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

14 करोड़ की लागत से बनाए गए थे 20 फ्लैट : एसीबी की जांच में खुलासा हुआ था कि शुभम साबू ने कथित तौर पर रिम्स की जमीन अवैध तरीके से खरीदकर उस पर अपार्टमेंट का निर्माण कराया था। इस परियोजना में करीब 14 करोड़ रुपये निवेश कर 20 फ्लैट बनाए गए थे। इतना ही नहीं, जमीन का म्यूटेशन भी करा लिया गया था और अपार्टमेंट निर्माण के लिए नक्शा भी स्वीकृत करा लिया गया था। इस अपार्टमेंट के फ्लैट खरीदारों को बैंक से ऋण भी मिल चुका था।

बाद में रिम्स की जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान उक्त अपार्टमेंट को ध्वस्त कर दिया गया था। इसके बाद अदालत ने जमीन की अवैध खरीद-बिक्री में शामिल लोगों के साथ-साथ इस पूरे मामले में अधिकारियों की कथित मिलीभगत की भी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इसी क्रम में एसीबी ने अब छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया है।

चतरा में एनटीपीसी के प्रोजेक्ट में हादसा, टेकअप ट्रॉली गिरने से तीन मजदूरों की मौत, कई जख्मी

संवाददाता

रांची: झारखंड के चतरा जिले में एनटीपीसी टंडवा के एक्सटर्नल सीएचपी के कोल कन्वेयर बेल्ट में हुए हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। जबकि दो मजदूर वहीं दबे हुए हैं। जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। यह हादसा कोल कन्वेयर बेल्ट के जंक्शन नंबर 1 में हुआ जहां टेकअप ट्राली गिर गया। जिससे वहां काम कर रहे मजदूरों की मौत हो गई। यहां सिम्पल्स कंपनी के द्वारा काम कराया जा रहा था

हादसे में एक मृतक की पहचना राजेंद्र सोनी उर्फ राजू के रूप में हुई है। वह टंडवा के ही रहने वाले थे। वह इस कंपनी में 2019 से काम कर रहे थे।

इस पूरे मामले में चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने पुष्टि करते हुए बताया कि ट्राली गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। वहीं दो मजदूर अब भी दबे हुए हैं। जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही एनटीपीसी के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। घायलों के बारे में भी जानकारी जुटायी जा रही है।

वहीं इस हादसे को लेकर



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा घायलों को हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

सीएम ने मारांग बुरु से दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति की प्रार्थना की है। साथ ही शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

बड़ा तालाब से एक व्यक्ति का शव बरामद

रांची : राजधानी रांची के प्रसिद्ध बड़ा तालाब से बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ग्वाला टोली निवासी 70 वर्षीय शाहिद अख्तर गद्दी के रूप में की गई है। वे रांची के जाने-माने बिल्डर साहब अली के भाई थे। जानकारी के अनुसार, शाहिद अख्तर पिछले तीन दिनों से घर से लापता थे। परिवार के लोग लगातार उनकी खोजबीन कर रहे थे और इस संबंध में पुलिस को भी सूचना दी गई थी।

तलाश के क्रम में आशंका जताई जा रही थी कि वे बड़ा तालाब की ओर गए होंगे। इसके बाद उनकी खोजबीन के लिए एनडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। बुधवार सुबह तालाब में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान एनडीआरएफ की टीम ने उनका शव पानी से बाहर निकाला। शव मिलने की खबर मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है कि यह महज एक हादसा है या इसके पीछे कोई और कारण है। परिवार में इस घटना के बाद से मातम पसरा हुआ है।

झारखंड में अकवन तूफान का दिखेगा असर 20-21 नवंबर को भारी बारिश का अलर्ट

संवाददाता

रांची: बंगाल की खाड़ी में तेजी से ताकतवर हो रहा चक्रवाती तूफान अकवन झारखंड के मौसम का मिजाज बदलने वाला है। इस तूफान के प्रभाव से राज्य में 19 नवंबर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। खासकर 20 और 21 नवंबर को दक्षिणी झारखंड और कोल्हान के कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने इन दोनों दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। हालांकि, 18 नवंबर को राज्य में मौसम सामान्य रहने और सुबह के समय कुछ इलाकों में कोहरा तथा दिन में आंशिक बादल छाए रहने का अनुमान है। इस तूफान के असर के दौरान न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री तक की कमी आने की संभावना जताई गई है।

20 नवंबर को इन जिलों में भारी बारिश की आशंका : मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 19 नवंबर को राज्य के दक्षिणी हिस्से में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। 20 नवंबर को राज्य के अनेक स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। दक्षिणी झारखंड में



कहीं-कहीं भारी बारिश भी हो सकती है। इसका प्रभाव मुख्य रूप से पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और सिमडेगा जिलों में देखने को मिल सकता है।

21 व 22 नवंबर को इन जिलों में असर की संभावना

21 नवंबर को भी बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इस दिन दक्षिणी झारखंड के अलावा उत्तर-पश्चिमी झारखंड के लातेहार से सटे इलाकों में भी भारी बारिश हो सकती है। साथ ही गुमला, रांची, खूंटी, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, और सरायकेला खरसावां में असर देखने को मिल सकता है। 22 नवंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, जबकि 23 नवंबर को दक्षिणी और उससे सटे मध्यवर्ती इलाकों में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

क्या है अकवन तूफान, कहां से आया इसका नाम : बंगाल की खाड़ी में सक्रिय इस चक्रवाती तूफान का नाम अकवन रखा गया है। यह नाम ईरान की ओर से प्रस्तावित किया गया है। फारसी भाषा में इसका मतलब ताकतवर दानव होता है। उत्तर हिंद महासागर यानी बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में बनने वाले चक्रवाती तूफानों के नामकरण के लिए विश्व मौसम विज्ञान संगठन और संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक आयोग के क्षेत्रीय पैनल ने 13 देशों की सूची तैयार की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग इसी सूची के क्रम के अनुसार तूफानों का नाम निर्धारित करता है।

गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, यह 18 नवंबर को गंभीर चक्रवाती तूफान और 19 नवंबर तक अति गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। इसके 20 नवंबर को दोपहर के आसपास आंध्र प्रदेश और यनम के तट पर नेल्लोर से विशाखापत्तनम के बीच टकराने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे और झोंकों के साथ 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

नवंबर से पहले भी बंगाल की खाड़ी में लगातार चक्रवाती गतिविधियां देखने को मिली हैं। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में इस साल का पहला चक्रवाती तूफान 'अरनब' बना था। इसके बाद नवंबर की शुरूआत में मुरासु चक्रवाती तूफान के रूप में विकसित हुआ। अब नवंबर के मध्य में अकवन तीसरा चक्रवाती तूफान है। अरनब नाम बांग्लादेश ने, जबकि मुरासु नाम भारत ने प्रस्तावित किया था। वहीं अकवन का नाम ईरान की ओर से दिया गया था।

भारत में दो दशकों बाद डब्ल्यूएफई के आयोजन पर बोले पीएम मोदी; अर्थव्यवस्था मजबूत, तेजी से बढ़ रहा पूंजीगत बाजार



नई दिल्ली : भारत में दो दशकों बाद वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्सचेंज्स (डब्ल्यूएफई) की 65वीं जनरल असेंबली और एनुअल मीटिंग के आयोजन पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है और हमारा पूंजीगत बाजार भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दौरान, पीएम मोदी ने आयोजक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) और डब्ल्यूएफई को बधाई दी और कार्यक्रम में आने वाले प्रतिनिधियों का स्वागत किया। पीएम मोदी ने अपने लिखित संदेश में कहा,₹मौजूदा समय में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। हमारा पूंजीगत बाजार अर्थव्यवस्था के साथ तेजी से बढ़ रहा है। इससे कंपनियों को पूंजी जुटाने, परिचालन का विस्तार करने और विकास के लिए नए अवसरों में भाग लेने का मौका मिला है।₹

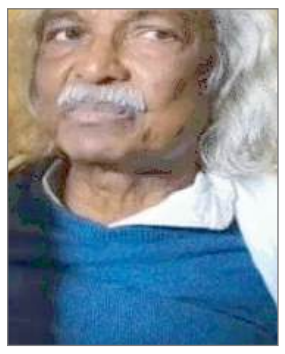
उन्होंने आगे कहा, ₹म्यूचुअल फंड्स जैसे साधनों के जरिए निवेश अब अभूतपूर्व स्तरों पर पहुंच चुके हैं। यह काफी उत्साहजनक है कि अब ज्यादा लोग बाजारों का हिस्सा बन रहे हैं। इससे हमारे नागरिकों को देश के विकास का भागीदार बनने का भी मौका मिल रहा है।₹

प्रधानमंत्री ने मुताबिक, पिछले एक दशक में, भारत ने अपनी वित्तीय प्रणाली को अधिक समावेशी और कुशल बनाने की दिशा में काम किया है। बैंकिंग, बीमा और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के विस्तार ने लाखों नागरिकों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा है। हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (जिसमें जेएएम ट्रिनिटी और यूपीआई शामिल हैं) ने यह दिखाया है कि तकनीक किस तरह बड़े पैमाने पर वित्तीय सेवाओं की पहुंच को बदल सकती है। इसके साथ ही, बाजार के बुनियादी ढांचे में तकनीक-आधारित सुधारों और निवेश प्लेटफॉर्म तक आसान पहुंच ने हमारे पूंजी बाजारों में लोगों की भागीदारी बढ़ाने में मदद की है। भारत का अनुभव दिखाता है कि किस तरह वित्तीय समावेशन और वित्तीय नवाचार एक-दूसरे को मजबूत कर सकते हैं।

आगे कहा कि वित्तीय जगत में बड़े बदलाव हो रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकें बाजारों के काम करने के तरीके को बदल रही हैं। इससे नए अवसर तो पैदा हो रहे हैं, लेकिन साथ ही साइबर सुरक्षा, बाजार की निष्पक्षता और निवेशकों की सुरक्षा से जुड़े सवाल भी खड़े हो रहे हैं। तकनीक भले ही यह तय करे कि बाजार कितनी तेजी से विकसित होंगे, लेकिन इस पूरे तंत्र के विकास में 'भरोसा' हमेशा सबसे अहम बना रहेगा।

गोपाल मैदान में संवाद कार्यक्रम के दौरान हंगामा, सूर्य सिंह बेसरा से मारपीट

युवती ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया



संवाददाता

जमशेदपुर : बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में बुधवार को आयोजित एक संवाद कार्यक्रम के दौरान जमकर हंगामा हुआ। पूर्व विधायक एवं आजसू के संस्थापक सूर्य सिंह बेसरा के साथ कथित तौर पर कुछ युवतियों ने मारपीट की। घटना में घायल सूर्य सिंह बेसरा को इलाज के लिए टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया है। वहीं, एक युवती ने उनके खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए बिष्टुपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार, सूर्य सिंह बेसरा संवाद कार्यक्रम में शामिल होने गोपाल मैदान पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ युवतियों के साथ उनका विवाद हो गया। युवतियों ने उन पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और कथित तौर पर मारपीट शुरू हो गई। अचानक हुई घटना से कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

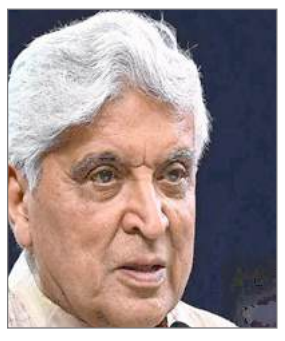
मारपीट में सूर्य सिंह बेसरा को चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया। दूसरी ओर, आरोप लगाने वाली युवती बिष्टुपुर थाना पहुंची और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। युवती ने मीडिया से बातचीत करने से इनकार कर दिया। फिलहाल घटना के कारणों और विवाद की पूरी परिस्थितियों का स्पष्ट खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दोनों पक्षों के आरोपों की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी।

जापानी नौसैनिक अड्डे व युद्धपोत का दौरा, भारत-जापान के रक्षा मंत्रियों के बीच दिखी गर्मजोशी

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जापान की यात्रा पर हैं। बुधवार को उन्होंने जापानी रक्षा मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ विमान में सफर किया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी देखने को मिली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विमान से अपनी तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। उन्होंने जापान समुद्री आत्मरक्षा बल (जेएमएसडीएफ) के योकोसुका स्थित नौसैनिक अड्डे का दौरा करने की जानकारी दी। राजनाथ सिंह यहां जापान के मोगामी श्रेणी के युद्धपोत का दौरा भी कर रहे हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोइजुमीह के टोक्यो स्थित रक्षा मंत्रालय पहुंचे।

जावेद अख्तर के 'हर भारतीय के खून में राम' वाले बयान का संतों और नेताओं ने किया समर्थन बोले-'राम देश की आस्था के प्रतीक'

मुंबई : मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर के भगवान राम को लेकर दिए गए बयान पर अब अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं और संतों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। जावेद ने कहा था कि भगवान राम सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि आदर्श, नैतिकता और जीवन जीने का तरीका हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि धर्म कोई भी हो, राम हर भारतीय के खून में हैं। अब अयोध्या के संत सीताराम दास, भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, शिवसेना नेता शायना एनसी और समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने उनके बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अयोध्या में संत सीताराम दास ने जावेद अख्तर के बयान का समर्थन करते हुए कहा, "भगवान राम का नाम दो अक्षरों का है लेकिन उनकी महिमा अनंत है। सनातन धर्म सभी धर्मों का पिता है। समय के साथ बदलाव के कारण अलग-अलग पंथ बने और आने वाले समय में भी नए पंथ बन सकते हैं। सनातन धर्म का महत्व सभी के लिए है।" झारखंड के रांची में भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने भी जावेद अख्तर की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा, "भगवान राम देश की आस्था के प्रतीक हैं और उनका हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ाव है। जावेद अख्तर की बात को समझने की जरूरत है। देश में रहने वाले कई मुस्लिम परिवारों के पूर्वज



हिंदू थे और मुगल शासन के दौरान मजबूरी में उनका धर्मांतरण हुआ था। इस्लाम से राम का इतिहास पुराना है और भगवान राम हर भारतीय के मन में बसे हैं।" मुंबई में शिवसेना नेता शायना एनसी ने भी जावेद अख्तर की तारीफ की। उन्होंने कहा, "जावेद ने ऐसी बात कहने की हिम्मत दिखाई है। भारत में रहते हुए भगवान राम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। इससे बड़ों का सम्मान करना, सच के लिए लड़ना और अपने वादे पूरे करना जैसी सीख मिलती है।"

वहीं, अयोध्या में समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भी जावेद अख्तर की बात को सही बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर किसी को टिप्पणी करने से बचना चाहिए और सभी धर्मों का सम्मान किया जाना चाहिए। दरअसल, जावेद अख्तर ने मंगलवार को मुंबई में इंडियन परफॉर्मिंग राइट सोसाइटी (आईपीआरएस) की म्यूजिक क्रिएटर रिपोर्ट लॉन्च के मौके पर मीडिया से बातचीत की थी। इस दौरान उनसे नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने कहा, "अभी तक मैंने फिल्म नहीं देखी है लेकिन मैं इसे जरूर देखना चाहूंगा। मेरी बेटी जोया अख्तर फिल्म देख चुकी हैं और उन्होंने इसकी तारीफ की है। वह किसी चीज की तारीफ बहुत कम करती हैं। उसने तो कभी अपने पिता के काम की भी इतनी तारीफ नहीं की।" इसी बातचीत में जावेद से फिल्म 'स्वदेश' के उनके लिखे गाने 'पल-पल है भारी' की एक लाइन 'मन से रावण जो निकाले, राम उसके मन में हैं' को लेकर भी सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा, "राम सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि एक आदर्श, नैतिकता और जीवन जीने का तरीका हैं। राम का महत्व किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है। उनका सार हर भारतीय की रगों में बसा है, चाहे वह किसी भी धर्म को मानता हो। हो सकता है कि मेरी इस बात से कुछ लोग नाराज हों लेकिन राम का महत्व इससे कहीं बड़ा है।"

जावेद अख्तर के इस बयान पर ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने जावेद को नास्तिक बताते हुए सवाल उठाया कि अगर वह किसी धर्म या भगवान में विश्वास नहीं करते, तो अब भगवान राम के प्रति इस तरह की बातें क्यों कर रहे हैं।

समाचार सार

जदयू के राष्ट्रीय सचिव बने धर्मेंद्र तिवारी, पश्चिम बंगाल के प्रभारी भी नियुक्त

रांची : जनता दल (यूनाइटेड) ने संगठनात्मक फेरबदल के तहत झारखंड के धर्मेंद्र तिवारी को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। उन्हें पश्चिम बंगाल का प्रभारी भी बनाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से 17 नवंबर को जारी पदाधिकारियों की सूची में यह नियुक्ति की गई है।

धर्मेंद्र तिवारी इससे पहले भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष थे। इस पार्टी के मुख्य संरक्षक सरयू राय रहे हैं, जो वर्तमान में झारखंड विधानसभा में जनता दल (यूनाइटेड) के इकलौते विधायक हैं। तिवारी को सरयू राय का करीबी और समर्थक माना जाता है। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन के विस्तार और सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए काम किया था।

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय नेतृत्व ने देशभर में संगठनात्मक जिम्मेदारियों का पुनर्विन्यास करते हुए कई वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग राज्यों और प्रकोष्ठों की जिम्मेदारी सौंपी है। इसी क्रम में तिवारी को राष्ट्रीय सचिव के साथ पश्चिम बंगाल का प्रभार दिया गया है।

उनकी नई जिम्मेदारी में पश्चिम बंगाल में पार्टी संगठन की गतिविधियों का संचालन, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और संगठनात्मक विस्तार शामिल होगा। झारखंड में भी उनके सांगठनिक अनुभव का लाभ पार्टी को मिलने की उम्मीद है।

झारखंड राज्य तकनीकी वुशु सेमिनार का आयोजन 19 एवं 20 नवंबर को

रांची : झारखंड वुशु एसोसिएशन के तत्वावधान में दो दिवसीय झारखंड राज्य तकनीकी वुशु सेमिनार का आयोजन 19 एवं 20 नवंबर 2026 को होटल बालाजी, टाटीसिलवे में किया जाएगा।

इस सेमिनार में झारखंड के विभिन्न जिलों से तकनीकी पदाधिकारी भाग लेंगे। सेमिनार के दौरान प्रतिभागियों को वुशु खेल की तकनीकी बारीकियों, नियमों, निर्णयन प्रक्रिया तथा प्रतियोगिताओं के संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इसकी जानकारी देते हुए झारखंड वुशु एसोसिएशन के महासचिव शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य राज्य में वुशु खेल के तकनीकी स्तर को और अधिक सुदृढ़ करना तथा योग्य एवं प्रशिक्षित निर्णायकों की नई टीम तैयार करना है। सेमिनार में प्रतिभाग करने वाले एवं निर्धारित मानकों पर खरे उतरने वाले चयनित तकनीकी पदाधिकारियों को आगामी राज्य एवं अन्य प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाने का अवसर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के तकनीकी सेमिनार से खेल में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं तकनीकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सेमिनार का उद्घाटन 19 नवंबर 2026 को होगा तथा 20 नवंबर 2026 को समापन समारोह के साथ इसका समापन किया जाएगा।

लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान जल्द करे सरकार : ओम वर्मा

रांची : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राज्य के छात्र-छात्राओं की लंबित प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति राशि का अविलंब भुगतान कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि झारखंड के हजारों गरीब, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी पिछले कई शैक्षणिक सत्रों से छात्रवृत्ति की राशि नहीं मिलने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। छात्रवृत्ति विद्यार्थियों के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

ओम वर्मा ने कहा कि छात्रवृत्ति का भुगतान समय पर नहीं होने से विद्यार्थियों को महाविद्यालय की फीस, छात्रावास शुल्क, किताबें और अन्य शैक्षणिक खर्चों को पूरा करने में कठिनाइयां हो रही हैं। कई विद्यार्थियों के सामने पढ़ाई जारी रखने का संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस गंभीर मामले पर व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लेने और संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय स्थापित कर सभी पात्र विद्यार्थियों की लंबित राशि जल्द उनके बैंक खातों में भेजने की मांग की।

उन्होंने विशेष रूप से शैक्षणिक सत्र 2023-24, 2024-25 और 2025-26 की लंबित छात्रवृत्ति राशि का भुगतान करने, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी पात्र विद्यार्थियों को इसका लाभ देने तथा भुगतान में देरी के कारणों को सार्वजनिक करने की मांग की। इसके अलावा लंबित आवेदनों का शीघ्र सत्यापन कर भुगतान की निश्चित समय-सीमा घोषित करने और भविष्य में प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में निर्धारित समय पर छात्रवृत्ति भुगतान सुनिश्चित करने की बात कही।

ओम वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति कोई एहसान नहीं, बल्कि उनकी शिक्षा और भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण अधिकार है। सरकार को विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रवृत्ति का भुगतान जल्द नहीं किया गया, तो अखिल झारखंड छात्र संघ विद्यार्थियों के शैक्षणिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि संघ की मांग है कि आर्थिक अभाव के कारण झारखंड का कोई भी गरीब विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

रांची : भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा, झारखंड प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर राज्य में महिलाओं, विशेषकर आदिवासी बेटियों के खिलाफ कथित अपराधों और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर गंभीर चिंता जताई। प्रतिनिधिमंडल ने पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों, पुलिस की कथित लापरवाही और पत्रकारों के उत्पीड़न के आरोपों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में सिमडेगा की एक नाबालिग आदिवासी किशोरी के कथित यौन शोषण का मामला उठाया। इसमें कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में निष्पक्ष और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही पीड़िता को कथित रूप से आरोपी विधायक के आवास पर ले जाने और उस पर दबाव बनाए जाने की आशंका जताते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा देने का आग्रह किया गया। इसके अलावा निशा कुमारी भगत की मृत्यु का मामला भी उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने उनकी मृत्यु से पहले की गई शिकायतों, भूमि विवाद से जुड़े आरोपों और प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना परिसर में एक महिला के साथ पुलिसकर्मी द्वारा कथित दुष्कर्म और गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी क्षेत्र में मिशन से जुड़े एक व्यक्ति पर आदिवासी महिला के यौन शोषण के आरोपों का भी उल्लेख किया। इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर पीड़ित महिलाओं को न्याय और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई।

ज्ञापन में कांग्रेस विधायक से जुड़े मामले को सार्वजनिक करने वाले पत्रकारों और संबंधित समाचार चैनल के कार्यालय के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई पर भी चिंता जताई गई। प्रतिनिधिमंडल ने इस कार्रवाई की निष्पक्ष समीक्षा कराने तथा दुर्भावनापूर्ण उत्पीड़न की पुष्टि होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से सभी मामलों में राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश देने की मांग की। साथ ही महिलाओं एवं आदिवासी बेटियों की सुरक्षा, पीड़ितों को न्याय और पुलिस प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया।

आईआईटीएफ-2026: झारखंड की ग्रामीण महिलाओं के हुनर को मिला राष्ट्रीय मंच

नीव हर्बल्स के प्राकृतिक उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी ने पवेलियन का भ्रमण कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया

नई दिल्ली/रांची : भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)-2026 में झारखंड पवेलियन राज्य सरकार के ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण और स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के प्रयासों का प्रभावी मंच बनकर उभरा है। इसी दौरान झारखंड हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी ने पवेलियन का भ्रमण कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और स्थानीय उत्पादों की सराहना की।

इस अवसर पर जमशेदपुर के हुरलुंग की महिलाओं द्वारा तैयार ह्यनीव हर्बल्स हैंडमेड सोप्सह्ल ने खास ध्यान आकर्षित किया, जो उनके हुनर, मेहनत और आत्मनिर्भर बनने के संकल्प को एक व्यावसायिक पहचान दे रहा है।



नीव हर्बल्स की उत्पाद श्रृंखला में हस्तनिर्मित साबुन, परफ्यूम, मॉइस्चराइजर, लिपस्टिक, रोल-ऑन ऑयल तथा रूम एवं कार डिफ्यूजर शामिल हैं। इन उत्पादों की खासियत इनमें इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक और पारंपरिक सामग्रियां हैं। साबुन के निर्माण में महुआ, नारियल और पाम ऑयल का उपयोग किया जाता है, जबकि चंदन और जैस्मिन जैसे सुगंधित तेल इन्हें विशेष पहचान देते हैं।

ब्रांड का जोजोबा ऑयल रोल-ऑन और कुमकुमादि आधारित मॉइस्चराइजर त्वचा की देखभाल से जुड़े उत्पादों में शामिल हैं। वहीं, लिपस्टिक को गाय के घी और मधुमक्खी के मोम (बीजवैक्स) से तैयार किया जाता है, जिसमें प्राकृतिक रंग के लिए अन्नाटो बीजों का इस्तेमाल होता है। इसके अतिरिक्त, आवश्यक तेलों से तैयार रूम एवं कार डिफ्यूजर भी उत्पाद श्रृंखला का हिस्सा हैं। नीव हर्बल्स की को-फाउंडर ने शिखा जैन ने बताया कि आईआईटीएफ-2026 में ह्यसिल्वर हाइट्स रोल-ऑनह्ल आगंतुकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और इसकी अच्छी मांग देखने को मिल रही है। नीव हर्बल्स के सभी उत्पाद ?100 से ?600 की किफायती कीमतों में उपलब्ध हैं, ताकि हर कोई बिना जेब पर अतिरिक्त बोझ डाले प्राकृतिक उत्पादों का लाभ उठा सके। आईआईटीएफ-2026 जैसे राष्ट्रीय मंच पर यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भर झारखंड की दिशा में बढ़ते प्रयासों को भी प्रदर्शित करती है।

घर का ताला तोड़कर चोरी कर रहे दो युवक रंगे हाथों धराए, पकड़े जाने पर खुद को बताने लगे पत्रकार

संवाददाता

खूंटी : जिला के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंजला गांव में ग्रामीणों की सूझबूझ और सतर्कता से दिनदहाड़े चोरी की एक बड़ी घटना टल गई। घर का ताला तोड़कर चोरी की नीयत से घुसे दो युवकों को गृहस्वामी और ग्रामीणों ने रंगे हाथों दबोच लिया। पकड़े जाने के बाद आरोपियों ने बचाव के लिए खुद को पत्रकार बताते हुए समाचार संकलन के लिए आने का बहाना बनाया, लेकिन ग्रामीणों ने उनकी चालाकी भांप ली और दोनों को मुरहू पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार, घटना सोमवार की दोपहर करीब 1:05 बजे की है। कुंजला निवासी जोनसन केरकेट्टा के घर का ताला तोड़कर दो युवक अंदर घुसे थे। इसी दौरान घर के मालिक और आसपास के ग्रामीणों की नजर उन





पर पड़ गई। जब ग्रामीणों ने दोनों को घेरा, तो वे खुद को मीडियाकर्मी बताकर लोगों को गुमराह करने लगे। संदेह होने पर ग्रामीणों ने दोनों को पकड़ लिया और इसकी सूचना तत्काल मुरहू थाना को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल मौके पर पहुंचे और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना ले आए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिमडेगा जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र स्थित लसिया गांव निवासी 28 वर्षीय मासूम अंसारी उर्फ रौनक (वर्तमान पता- मौलाना आजाद कॉलोनी, लोवाडीह, नामकुम, रांची) और रांची के नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत मौलाना आजाद कॉलोनी निवासी 19 वर्षीय मो. समीर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक अपाची मोटरसाइकिल (जेएच-05-एजे-8022), एपल, रेडमी 5जी व पोको एम3 समेत तीन मोबाइल फोन, 17,500 रुपये नकद, ताला तोड़ने के औजार (प्लास, रिंच, बटाली, हेक्सा ब्लेड), एक आधार कार्ड, टूटा हुआ ताला और आई-गेन प्लस टैबलेट के डिब्बे में रखा लाल मिर्च पाउडर बरामद किया है।

इस छापेमारी अभियान में एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा, पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव, थाना प्रभारी नायल गोडवीन केर-केट्टा, एसआई शंकर कुमार विश्वकर्मा, एएसआई मिर्जा तिग्गा और एसआईआरबी-02 के जवान शामिल थे।

झारखंड स्थापना पखवाड़ा : 31 हजार स्कूलों में विशेष प्रार्थना सभा

23.26 लाख विद्यार्थियों ने लिया विकसित झारखंड का संकल्प

रांची : झारखंड राज्य स्थापना पखवाड़ा 2026 पर राज्यभर में विरासत, प्रगति और आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 17 नवंबर को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से राज्य के 31,756 विद्यालयों में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों को झारखंड के इतिहास, गौरवगाथा, महापुरुषों, आंदोलनकारियों, राज्य गठन तथा समृद्ध विरासत एवं संस्कृति की जानकारी दी गई। इस अवसर पर राज्य के विकास और विकसित झारखंड के निर्माण के लिए 23,26,916 छात्र-छात्राओं ने शपथ ग्रहण किया।

सिमडेगा में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और ग्राम संगठनों को विभिन्न आजीविका योजनाओं के तहत कुल 1 करोड़ 52 लाख 65 हजार 500 रुपये की सहायता प्रदान की गई। उपायुक्त कंचन सिंह एवं उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी ने लाभुकों को सांकेतिक चेक सौंपे। वहीं, ग्रामीण युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए डीडीयू-जीकेवाई 2.0 के तहत कौशल रथ रवाना किया गया। 26 नवंबर को कोलेबिरा और 27 नवंबर को केरसई में रोजगार मेले आयोजित होंगे। इसमें सामुदायिक निवेश निधि के तहत 1.12 करोड़, चक्रीय निधि के तहत 24.30 लाख, झारखंड समावेशी आजीविका योजना के तहत 7.60 लाख, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना के तहत 75 हजार तथा वल्नरेबिलिटी रिडक्शन फंड के तहत 8 लाख रुपये वितरित किए



गए। वहीं, ग्रामीण युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए डीडीयू-जीकेवाई 2.0 के तहत कौशल रथ जागरूकता अभियान शुरू किया गया। उपायुक्त एवं डीडीसी ने हरी झंडी दिखाकर रथ रवाना किया। इसके तहत 26 नवंबर को कोलेबिरा और 27 नवंबर को केरसई प्रखंड परिसर में सुबह 10 बजे से रोजगार मेले आयोजित होंगे। दूसरी ओर, कोडरमा जिले में 15 से 21 नवंबर तक गृह प्रवेश सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत 549 पूर्ण आवासों में लाभुकों के गृह प्रवेश का लक्ष्य है। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 200, अबुआ आवास योजना के 336, पीएम-जनमन के 8 तथा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के 5 आवास शामिल हैं। वही पलामू में भी 15 नवंबर से 17 नवंबर तक 667 लाभुकों को गृह प्रवेश का लक्ष्य रखा गया है । प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण,अबुआ आवास योजना एवं पीएम-जनमन के 5 आवास शामिल हैं । लातेहार में झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत राज्य स्तर पर प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों के अनुरूप लातेहार जिले में भी 17 से 24 नवंबर 2026 तक विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

26 नवंबर को रांची में निकलेगा कांग्रेस का वोट रक्षा मार्च

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने अग्रणी संगठनों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय कांग्रेस भवन में अग्रणी संगठनों, मोर्चा, विभाग एवं प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों, चेयरमैन, मुख्य संगठकों और संयोजकों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस के देशव्यापी वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत आगामी 26 नवंबर 2026 को रांची में आयोजित होने वाले ह्यवोट रक्षा मार्चह्ल की तैयारियों और रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी संगठनों एवं विभागों के पदाधिकारियों को अभियान की सफलता के लिए सक्रियता और आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और संविधान की रक्षा के लिए प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा जरूरी है। वोट केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की आवाज और लोकतांत्रिक अधिकारों की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मतदाता सूची में पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और प्रत्येक योग्य नागरिक के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। 26 नवंबर को आयोजित होने वाला वोट रक्षा मार्च लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। बैठक में सभी संगठनों एवं विभागों को अपने-अपने स्तर पर कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने, आपसी समन्वय बनाने और मार्च को व्यापक एवं सफल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर सोमनाथ मुंडा, कुमार राजा, दयामणि बरला, शांतनु मिश्रा, रियाज अहमद, अजहर पप्पू, मंजूर अंसारी, आदित्य विक्रम जायसवाल, निशांत जायसवाल, आफताब आलम, हृदय आनंद यादव, तपेश्वर नाथ मिश्रा, डॉ. प्रसाद पासवान और शाहबाज अहमद सहित अन्य उपस्थित थे।

26 साल का झारखंड - संभावनाओं और अधूरे वादों के बीच

राज्य गठन के 26 साल बाद झारखंड के पास गर्व करने के कई कारण हैं। लेकिन इसकी वास्तविक प्रगति का आकलन इस बात से होना चाहिए कि यहां के लोगों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव आया है।

15 नवंबर 2000 को झारखंड का गठन एक बड़े संकल्प के साथ हुआ था। यह संकल्प था अपनी पहचान, नए अवसरों और बेहतर भविष्य का। 26 साल बाद राज्य के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है - प्राकृतिक संपदा, समृद्ध संस्कृति, प्रतिभाशाली लोग और अपार संभावनाएं। फिर भी, राज्य गठन के समय लोगों ने जो सपने देखे थे, उनमें से कुछ आज भी पूरे होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इस यात्रा को समझने के लिए हमें झारखंड की उस विरासत को भी देखना होगा, जिसने इस राज्य को एक अलग पहचान दी। यह दिन भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भी है, जिनका साहस आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। इसी धरती ने परमवीर चक्र से सम्मानित अल्बर्ट एक्का जैसे वीर सपूत भी दिए हैं। इनका जीवन हमें याद दिलाता है कि झारखंड की सबसे बड़ी ताकत यहां के लोग हैं। इसलिए विकास का वास्तविक आकलन भी यहीं से शुरू होना चाहिए।

और जब विकास की बात लोगों से शुरू होती है, तो सबसे पहले उन बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान जाता है, जो आज भी हर किसी तक नहीं पहुंच पाई हैं। खूंटी के आसपास के कुछ गांवों में आज भी बिजली जैसी बुनियादी सुविधा की चुनौती बनी हुई है। एक बुजुर्ग महिला दिनभर केले का छोटा-सा गुच्छा बेचकर अपने रोजमर्रा के खर्च का इंतजाम करती हैं। यह एक छोटी-सी तस्वीर है, लेकिन अपने भीतर बड़ा सवाल समेटे हुए है। जिस क्षेत्र ने कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व और जनप्रतिनिधि दिए, वहां के आम लोगों का जीवन भी बुनियादी सुविधाओं और सम्मान से भरा होना चाहिए। किसी राज्य की क्षमता केवल इस बात से नहीं मापी जा सकती कि उसने कितने बड़े व्यक्तित्व दिए, बल्कि इससे भी कि उसने आम लोगों का जीवन कितना बेहतर बनाया।

बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ विकास का एक दूसरा पहलू



भी है - विकास की प्रक्रिया में प्रभावित होने वाले लोगों का भविष्य। झारखंड के विकास की कहानी में उन परिवारों की चिंताएं भी शामिल हैं, जिन्हें विकास परियोजनाओं और भूमि के उपयोग में बदलाव के कारण विस्थापन का सामना करना पड़ता है। उनके लिए विकास का अर्थ केवल नई सड़क, कारखाना या बड़ी इमारत नहीं है। उनके लिए यह जानना भी जरूरी है कि वे कहां रहेंगे, आजीविका कैसे चलेगी और उनके परिवार का भविष्य कितना सुरक्षित होगा। विकास की राह में जिन लोगों को अपनी जमीन छोड़नी पड़े, उन्हें अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता में नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

इन चिंताओं का समाधान तभी संभव है, जब विकास के अवसर स्थानीय लोगों तक भी पहुंचें। झारखंड की औद्योगिक विरासत समृद्ध है और खनिज संपदा भी प्रचुर मात्रा में है। फिर भी, संसाधनों से समृद्ध राज्य को अवसरों से समृद्ध राज्य बनाने की यात्रा अभी अधूरी है। पिछले वर्षों में कई पहल हुईं, जिनमें रघुवर दास के कार्यकाल के दौरान किए गए प्रयास भी शामिल हैं। कुछ प्रयासों ने संभावनाएं दिखाई, लेकिन असली चुनौती उन्हें निरंतर आगे बढ़ाने और बड़े स्तर पर लागू करने की रही है। भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में झारखंड की अहम भूमिका हो सकती है। इसके लिए जरूरी है कि राज्य अपनी खनिज संपदा, उद्योगों, कौशल और उद्यमिता की क्षमता को वास्तविक समृद्धि में बदले। अच्छी पहल किसी सरकार के कार्यकाल के साथ समाप्त होने वाला अध्याय नहीं, बल्कि आगे बढ़ने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए।

औद्योगिक विकास और स्थानीय अवसरों की कमी का असर सबसे अधिक युवाओं के भविष्य पर दिखाई देता है। पलायन भी एक ऐसा विषय है, जिस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। जब युवा रोजगार की तलाश में अपना घर और राज्य छोड़ते हैं, तो यह हमेशा उनकी पसंद नहीं होती, कई बार मजबूरी भी होती है। झारखंड में ऐसा माहौल बनना चाहिए, जहां युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुसार अवसर अपने ही राज्य में मिल सकें। युवा घर से दुनिया देखने के लिए निकलें, न कि इसलिए कि घर में उनके लिए अवसर कम पड़ गए हैं। यही प्रयास 2047 तक एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में झारखंड का योगदान भी सुनिश्चित करेगा। आखिरकार, विकास की इन सभी कसौटियों का संबंध एक ही बात से है - आम लोगों के जीवन में आने वाला बदलाव। हम भव्य सरकारी भवन बना सकते हैं, बड़ी परियोजनाओं की घोषणा कर सकते हैं और उपलब्धियों का उत्सव मना सकते हैं। ये सभी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इन्हें ही विकास का एकमात्र प्रतीक नहीं माना जा सकता। किसी राज्य की असली भव्यता तब दिखाई देती है, जब किसी गांव में बिजली पहुंचती है, विस्थापित परिवार को सुरक्षित भविष्य मिलता है, स्थानीय उद्यमी अपना व्यवसाय खड़ा करता है और किसी युवा को अपने घर के पास ही सम्मानजनक रोजगार मिलता है। झारखंड के पास आगे बढ़ने के लिए संसाधन भी हैं, प्रतिभा भी और गौरवशाली विरासत भी। जरूरत है निरंतर प्रयासों, नीतियों में स्थिरता और ऐसे विकास की, जिसका लाभ राज्य के हर कोने तक पहुंचे। सरकारें बदलेंगी, राजनीतिक समीकरण बदलेंगे और चुनाव आते-जाते रहेंगे। लेकिन लोगों की आकांक्षाएं किसी चुनावी कैलेंडर के हिसाब से नहीं बदलतीं। 26 साल बाद झारखंड को केवल अपनी संभावनाओं के वादे पर नहीं, बल्कि उन संभावनाओं को हकीकत में बदलने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

महेश पोद्दार
पूर्व सांसद (राज्यसभा),
झारखण्ड
(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ट्रेन से कटकर 25 वर्षीय युवक की मौत

मुरी : मंगलवार को ट्रेन संख्या 18626 से कट कर लगभग 26 वर्षीय युवक हसीम हांसदा, बोकारो जिला की मौत हो गई। दुर्घटना किता स्टेशन एवं सिल्ली स्टेशन के बीच 10:35 बजे डाउन लाइन में घटीत हुई है। प्रशासन के द्वारा शव का आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरा कर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया गया है।

22 से प्रमंडलस्तरीय छात्र महापंचायत शुरू करेगा जेपीएससी-जेएसएससी सुधार मंच

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी सुधार मंच की कोर कमेटी की बैठक मंगलवार को आयोजित हुई। बैठक में संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएल) सहित रद्द की गई 22 परीक्षाओं, परीक्षा व्यवस्था में सुधार, लंबित नियुक्तियों और अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की जांच से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सरकार की ओर से परीक्षा सुधार को लेकर किए गए वादों और जांच से संबंधित साक्ष्यों को प्रभावी तरीके से न्यायालय के समक्ष रखा जाएगा।

बैठक में छात्रों के भविष्य और न्याय की मांग को लेकर प्रमंडलवार छात्र महापंचायत आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत आंदोलन के प्रथम चरण की शुरूआत 22 नवंबर को हजारीबाग से होगी। गांधी मैदान में सुबह 11 बजे से छात्र महापंचायत आयोजित की जाएगी। इसमें हजारीबाग प्रमंडल के छात्र-छात्राओं और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों से शामिल होने की अपील की गई है।

मंच की कोर कमेटी ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, नियुक्तियों में न्याय और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। मंच ने अभ्यर्थियों से कार्यक्रम में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। पंचायत के माध्यम से परीक्षा सुधार, लंबित नियुक्तियों और रद्द परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

रांची में शिक्षा-जागरूकता और सिमडेगा में विकास योजनाओं को मिली गति

रांची : झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह पखवाड़ा (15 से 28 नवंबर) के तहत राज्यभर में विकास, जनजागरूकता और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रांची और सिमडेगा जिले में शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, कृषि विकास, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण आवास योजनाओं के माध्यम से उल्लेखनीय पहल की जा रही है।

रांची जिले में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, शपथ ग्रहण समारोह और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। विद्यार्थियों को झारखंड के इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, राज्य आंदोलनकारियों के योगदान और स्थापना के महत्व से परिचित कराया जा रहा है। साथ ही स्वच्छता अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई जा रही है।

वहीं, कृषि विभाग की ओर से जिले के सभी प्रखंडों में ह्यखेत बचाओ अभियानह्ल चलाकर किसानों को बीज वितरित किए जा रहे हैं। बुढ़मू प्रखंड के सार्ले पंचायत में दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन के तहत 51 किसानों को समेकित कृषि प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया।

दूसरी ओर, सिमडेगा जिले में विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत 5,606 मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया गया तथा 7,179 मानव दिवस का सृजन हुआ। जिले की सभी 94 पंचायतों में ग्रामसभा आयोजित कर विकास योजनाओं की स्वीकृति के लिए 2,068 आवेदन प्राप्त किए गए। ग्रामीण आवास योजनाओं के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 74, अबुआ आवास के 241, पीएम-जनमन के दो और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तीन लाभुकों सहित कुल 320 परिवारों को नवनिर्मित पक्के आवासों में गृह प्रवेश कराया गया।

आवास, स्वच्छता और कृषि विकास के जरिए स्थापना दिवस पखवाड़े को मिल रही नई गति

रांची : राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत विभिन्न जिलों में जनकल्याण, स्वच्छता और कृषि विकास से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में हजारीबाग जिले में ग्रामीण आवास योजना के तहत नवनिर्मित आवासों में लाभुक परिवारों का गृह प्रवेश कराया गया। इस दौरान लाभुकों ने विधि-विधान के साथ अपने नए घरों में प्रवेश कर नई शुरूआत की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। वहीं, गोड्डा जिले में 15 से 21 नवंबर तक गृह प्रवेश सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, अबुआ आवास योजना, ढट-खअठटअठ एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के अंतर्गत कुल 655 आवासों में गृह प्रवेश का लक्ष्य निर्धारित है। इनमें 15 से 17 नवंबर तक 189 लाभुक परिवार गृह प्रवेश कर चुके हैं। दूसरी ओर, छठ महापर्व के समापन के बाद नगर परिषद गोड्डा ने विभिन्न छठ घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इधर, पाकुड़ जिले में कृषि विभाग की ओर से सभी प्रखंडों में खेत बचाओ अभियान के तहत कृषक चौपाल, कृषक पाठशाला एवं कृषक गोष्ठियों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को कृषि संबंधी जागरूकता और खेती के विकास के प्रति प्रोत्साहित किया गया।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण जनकल्याणकारी व जागरूकता गतिविधियों का होगा आयोजन

रांची :झारखंड स्थापना दिवस एवं वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में विभिन्न विभागों के माध्यम से जनकल्याणकारी, विकासात्मक एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार, 17 नवंबर 2026 को जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं ग्राम पंचायतों में ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग एवं आवास योजना के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा रोजगार सृजन अभियान के तहत जागरूकता रैली एवं अन्य गतिविधियां आयोजित : ग्रामीण विकास विभाग द्वारा विकसित भारतह्मजी राम जी के तहत संचालित विशेष ह्यरोजगार सृजन अभियानह्ल के अंतर्गत जिले के सभी प्रखंडों की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जागरूकता रैली सहित अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को योजना के प्रावधानों, रोजगार के अवसरों एवं आजीविका संवर्धन से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही, ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीणों की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के अनुरूप व्यक्तिगत एवं सामुदायिक योजनाओं के चयन की प्रक्रिया संचालित की गई तथा रोजगार के इच्छुक जॉब कार्डधारी श्रमिकों से कार्य की मांग (डिमांड) प्राप्त की गई। उल्लेखनीय है कि जिले में 15 से 28 नवंबर 2026 तक संचालित इस विशेष अभियान का उद्देश्य अधिकाधिक मानव दिवस का सृजन करना, इच्छुक श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकता एवं प्राथमिकता के अनुरूप नई योजनाओं का चयन एवं स्वीकृति सुनिश्चित करना है।

विद्यालयों में झारखंड के इतिहास, गौरव गाथा एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से संबंधित जागरूकता गतिविधियां आयोजित : विभागीय निर्देश के आलोक में उपायुक्त के निदेर्शानुसार जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक के नेतृत्व में जिले के सभी विद्यालयों में 17 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक झारखंड के इतिहास, गौरवशाली परंपरा एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से संबंधित जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

अंजुमन इस्लामिया अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी बनाने की तैयारी तेज, छह करोड़ से बनेगी जी+5 इमारत

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्ट्रक्चरल इंजीनियर एम.एन. आलम ने किया निरीक्षण, छह महीने में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

गुलाम शाहिद





रांची। राजधानी के कोंका रोड स्थित अंजुमन इस्लामिया अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल तेज हो गयी है। अस्पताल परिसर में करीब छह करोड़ रुपये की लागत से ऋ+5 (ग्राउंड प्लस पांच मंजिला) भवन का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए जल्द ही शिलान्यास किये जाने की संभावना है। इसी सिलसिले में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्ट्रक्चरल इंजीनियर एम.एन. आलम ने अस्पताल पहुंचकर प्रस्तावित निर्माण स्थल का निरीक्षण किया।

करीब 50 वर्षों का अनुभव रखने वाले इंजीनियर एम.एन. आलम ने बताया कि भवन निर्माण से पहले सबसे पहले मिट्टी की जांच करायी जायेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर भवन का स्ट्रक्चरल डिजाइन तैयार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित भवन का निर्माण पारंपरिक आरसीसी के बजाय स्टील स्ट्रक्चर तकनीक से करने की योजना है। उनका प्रयास है कि निर्माण कार्य छह महीने के भीतर पूरा हो जाये। इसके लिए वह जल्द ही अस्पताल प्रबंधन समिति को स्ट्रक्चरल डिजाइन और आवश्यक तकनीकी विवरण उपलब्ध करायेंगे।

एम.एन. आलम ने अस्पताल के विकास में अपने अनुभव के आधार पर हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिया। उन्हें उनके कार्यों के लिए हिन्द रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा मलेशिया, दुबई, सऊदी अरब और ओमान में भी विभिन्न परियोजनाओं पर काम करने का अनुभव है।

एक कमरे से शुरू हुआ था अस्पताल का सफर : अंजुमन इस्लामिया अस्पताल का सफर एक कमरे से शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह अस्पताल कई इमारतों तक पहुंचा और आज गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए उम्मीद का केंद्र बन चुका है। सीमित संसाधनों के बीच स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाला यह अस्पताल अब आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रस्तावित सुपर स्पेशियलिटी भवन के निर्माण से रांची सहित आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

अस्पताल निरीक्षण के दौरान पत्रकार गुलाम शाहिद ने इंजीनियर एम.एन. आलम से अस्पताल के प्रस्तावित विकास, निर्माण की तकनीक, लागत और समय-सीमा को लेकर सीधी बातचीत की। बातचीत में इंजीनियर ने बताया कि निर्माण की शुरूआत मिट्टी जांच से होगी और तकनीकी मानकों को ध्यान में रखते हुए भवन का डिजाइन तैयार किया जायेगा। उन्होंने अस्पताल को आधुनिक स्वरूप देने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मोख्तार अहमद, संयुक्त सचिव इकबाल नदीम और सदस्य खालिद उर्फ नन्हू मौजूद थे।

खूंटी दौरे पर पहुंचे झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय

विद्युतकर्मियों की समस्याओं पर अधिकारियों से की वार्ता

संवाददाता



खूंटी : रांची सप्लाई एरिया बोर्ड के खूंटी डिवीजन अंतर्गत कार्यरत विद्युतकर्मियों की स्थानीय समस्याओं और विभिन्न लंबित मांगों को लेकर झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने खूंटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर कर्मियों को कार्यस्थल पर हो रही परेशानियों से अवगत कराया और उनके त्वरित समाधान की मांग की।

अजय राय ने अधिकारियों से कहा कि विद्युतकर्मी विषम परिस्थितियों में अपनी जान जोखिम में डालकर क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। ऐसे में उनकी समस्याओं की अनदेखी उचित नहीं है। उन्होंने मांग की कि सभी विद्युतकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण, आवश्यक सुरक्षा सुविधाएं और सम्मानजनक व्यवहार मिलना सुनिश्चित किया जाए। वार्ता के दौरान विद्युत कार्यपालक अभियंता जेम्स कुजूर, सहायक विद्युत अभियंता शैलेश कुमार कश्यप और आनंद कुमार कच्छप ने मौके पर ही कर्मियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि समस्याओं के निराकरण और हरसंभव सहयोग के लिए विभाग की ओर से सकारात्मक पहल की जाएगी। अधिकारियों के सकारात्मक रुख का स्वागत करते हुए अजय राय ने कहा कि संघ विद्युतकर्मियों के अधिकार, सम्मान और हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत है और राज्य के हर कोने में कार्यरत कर्मियों के साथ मजबूती से खड़ा है।

गौ-सेवा भारतीय संस्कृति के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी आधार : राज्यपाल



रांची। राज्यपाल ने गोपाष्टमी महोत्सव के अवसर पर रांची गौशाला न्यास द्वारा किए जा रहे गौ-सेवा, गौ-संरक्षण एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी का पर्व हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा से गहराई से जुड़ा है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रकृति, पशु-पक्षियों और समस्त जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम, करुणा एवं संवेदनशीलता का संदेश देता है। गौ-सेवा को जीवन का अभिन्न अंग बनाकर उन्होंने समाज को सेवा और करुणा की प्रेरणा दी।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय श्रद्धा, करुणा, सेवा और समृद्धि का प्रतीक है। कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी गौवंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गौ-सेवा एवं गौ-संरक्षण केवल सांस्कृतिक परंपरा ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास से भी जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1904 में स्थापित रांची गौशाला न्यास पिछले 122 वर्षों से गौ-सेवा और समाज सेवा के कार्यों में निरंतर समर्पित है। वर्तमान में गोकुल धाम में लगभग 1100 गौवंश का पालन-पोषण एवं संरक्षण किया जा रहा है। इनमें बड़ी संख्या में दूध नहीं देने वाली गायें भी शामिल हैं। ऐसे गौवंश की देखभाल करना सेवा, संवेदना और मानवीय मूल्यों का सराहनीय उदाहरण है।

उन्होंने गौशाला द्वारा गोबर से जैविक खाद एवं केंचुआ खाद तैयार करने की पहल की भी प्रशंसा की। कहा कि इससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ कृषि के लिए ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

राज्यपाल ने गौशाला परिसर में संचालित अन्नपूर्णा सेवा प्रकल्प की सराहना करते हुए कहा कि मात्र 10 रुपये में छह रोटी, सब्जी और अचार उपलब्ध कराने की पहल सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे स्पष्ट है कि न्यास का सेवा कार्य गौवंश की देखभाल तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराने तक विस्तृत है। उन्होंने कहा कि गौ-सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि जीवों के प्रति संवेदना, जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का भी प्रतीक है।

अंत में राज्यपाल ने भगवान श्रीकृष्ण से सभी के सुख-समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि गोपाष्टमी महोत्सव समाज में सेवा, करुणा, सद्भाव और परोपकार की भावना को मजबूत करे। उन्होंने रांची गौशाला न्यास के निरंतर प्रगति करने और जनसेवा के कार्यों से समाज को प्रेरित करते रहने की कामना की।

मोटरसाइकिल चोरी गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार और एक निरुद्ध बालक पकड़ा गया

होटल के बाहर से चोरी हुई मोटरसाइकिल मामले में कार्रवाई, पूर्व की चोरी गई स्कूटी भी बरामद

रांची। सदर थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक निरुद्ध बालक को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और पूर्व में चोरी की गई एक स्कूटी बरामद की है। दोनों गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार भेज दिया गया है, जबकि निरुद्ध बालक को संप्रेक्षण गृह, डुमरदगा भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार, 15 नवंबर 2026 को होटल कैलाशा इन के पास से कोकर के पाहनटोली, मेडिकल रोड निवासी संजीव कुमार की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। इस संबंध में सदर थाना में 16 नवंबर को कांड संख्या 517/26 के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और सदर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित दल ने अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की घटना में संलिप्त आरोपितों को पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बरियातू के हाउसिंग कॉलोनी मंत्री मार्ग निवासी भोलू कुमार सिंह उर्फ भोलू खलनायक (21) और कुमार हर्ष (22) के रूप में हुई है।

त्योहारी सीजन में हवाई किराये की मनमानी वृद्धि पर चैंबर ने जताई चिंता

किराये पर सीमा तय करने, सुबह की रांची-दिल्ली उड़ान बहाल करने की मांग



संवाददाता

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की नागर विमानन उप समिति की बैठक मंगलवार को चैंबर भवन में हुई। बैठक में त्योहारों, शीतकालीन छुट्टियों और नववर्ष के दौरान विमानन कंपनियों द्वारा हवाई किराये में की जा रही अप्रत्याशित वृद्धि पर चिंता जताई गई। सदस्यों ने कहा कि दुर्गा पूजा से लेकर नववर्ष तक लगभग सभी मार्गों पर हवाई किराये असामान्य रूप से बढ़े हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप कर किराये की अधिकतम सीमा निर्धारित करनी चाहिए, ताकि आम यात्रियों को आर्थिक राहत मिल सके।

चैंबर महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि हवाई सेवा को केवल व्यावसायिक गतिविधि नहीं, बल्कि आम नागरिकों की आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए। व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों के लिए हवाई यात्रा की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में त्योहारों और छुट्टियों के दौरान मांग बढ़ने का फायदा उठाकर विमानन कंपनियों को मनमाने तरीके से किराया नहीं बढ़ाना चाहिए। हवाई किराये को आम लोगों की पहुंच में बनाए रखने के लिए नियामक स्तर पर प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

बैठक में इंडिगो द्वारा रांची-दिल्ली के बीच सुबह की उड़ान एक दिसंबर से 16 जनवरी तक अस्थायी रूप से रद्द किए जाने पर भी नाराजगी जताई गई। उप समिति के चेयरमैन श्रवण राजगढ़िया ने कहा कि इससे सुबह दिल्ली जाने वाले यात्रियों के साथ-साथ वहां से अन्य शहरों के लिए आगे की उड़ान पकड़ने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। उन्होंने एयरपोर्ट प्रशासन से इंडिगो प्रबंधन के साथ बातचीत कर इस सेवा को फिर से शुरू कराने का आग्रह किया। परिचालन संबंधी परेशानी होने पर उड़ान को एक-दो घंटे विलंब से संचालित किया जा सकता है, लेकिन इसे पूरी तरह बंद नहीं किया जाना चाहिए।

रांची हवाई अड्डे पर संचालित उड़ान कैफे की अनुपयुक्त जगह को लेकर भी सदस्यों ने नाराजगी जताई। चैंबर कोषाध्यक्ष नवजोत अलंग ने कहा कि वर्तमान स्थान यात्रियों की जरूरत के अनुरूप नहीं है। इसके कारण यात्रियों को महंगी खाद्य एवं पेय सुविधाओं पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने एयरपोर्ट प्रशासन से उड़ान कैफे को सुरक्षा जांच के बाद यात्रियों की सुविधानुसार संचालित करने की मांग की।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, जलपथ प्रमंडल सं०–2, हजारीबाग

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सं०– 03/2026–27–DMFT (PR 392931 Water Resource 26-27 #D) में अपिरहार्य कारणों से तिथियों में निम्न परिवर्तन किए जाते है:–

Sl. No.	Details	Old Date	New Date
1	Date of Publication of e-Tender on website	18.11.2026 at 03:00 PM	28.11.2026 at 03:00 PM
2	Last Date & Time for submission of e-Tender bids online	26.11.2026 upto 05:00 PM	07.12.2026 upto 05:00 PM
3	Last Date & Time for Online submission of Tender Fee & EMD	26.11.2026 upto 05:00 PM	07.12.2026 upto 05:00 PM
4	Date & Time of Opening of e-Tender	28.11.2026 at 04:00 PM	09.12.2026 at 04:00 PM

Note:– निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
जलपथ प्रमंडल सं०–2, हजारीबाग।

PR.NO.393991 Water Resource(26-27):D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आंवला नवमी



कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाने वाली आंवला नवमी यानी अक्षय नवमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं है बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रकृति, स्वास्थ्य और जीवनशैली के गहरे संबंध का संदेश भी देती है। इस दिन श्रद्धालु आंवले के वृक्ष की पूजा करते हैं, उसकी छाया में भोजन करते हैं और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। शरद और हेमंत ऋतु के संधिकाल में आने वाला यह पर्व मानो बदलते मौसम के बीच शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रकृति के अमूल्य उपहार आंवले की याद दिलाता है। भारतीय संस्कृति में वृक्षों को केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं माना गया बल्कि उन्हें जीवन और आरोग्य का आधार समझा गया है। आंवला नवमी इसी सोच को आगे बढ़ाती है। आंवले का वृक्ष धार्मिक आस्था के साथ-साथ औषधीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसकी छाया, फल और उपयोग से जुड़ी परंपराएं प्रकृति के संरक्षण तथा स्वस्थ जीवनशैली की ओर संकेत करती हैं। आयुर्वेद में आंवले को आमलकी कहा गया है। इसे 'धात्री' अर्थात माता के समान पोषण देने वाला भी माना गया है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में आमलकी को महत्वपूर्ण रसायन द्रव्यों में स्थान दिया गया है। शास्त्रीय आयुर्वेदिक दृष्टि से इसमें मधुर, अम्ल, कटु, तिक्त और कषाय रस बताए गए हैं, जबकि लवण रस का अभाव माना गया है। इसका विपाक मधुर और वीर्य शीत बताया गया है। आयुर्वेद में आंवले को रसायन, पित्तशामक, नेत्रों के लिए हितकारी, पाचन में सहायक, केश्य तथा ओजवर्धक गुणों वाला माना गया है। यही कारण है कि सदियों से आंवला भारतीय आहार और औषधीय परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। आंवले की एक खास विशेषता यह भी बताई जाती है कि इसमें मौजूद विटामिन-सी टैनिन जैसे घटकों के साथ जुड़ा रहता है। इसी वजह से आंवले को अन्य खट्टे फलों की तुलना में अलग विशेषताओं वाला फल माना जाता है और इसे विभिन्न रूपों में आहार में शामिल किया जाता है। आंवले की चर्चा च्यवनप्राश के बिना अधूरी मानी जाती है। आयुर्वेद में च्यवनप्राश को प्रसिद्ध अवलेह के रूप में वर्णित किया गया है। इसकी परंपरा महर्षि च्यवन से जुड़ी मानी जाती है और इसी कारण इसका नाम च्यवनप्राश पड़ा। आंवला नवमी के आसपास ताजे आंवले की उपलब्धता बढ़ने के साथ पारंपरिक रूप से च्यवनप्राश तैयार करने का मौसम भी शुरू होता है। इसमें आंवले के साथ विभिन्न औषधीय द्रव्यों और जड़ी-बूटियों का प्रयोग किया जाता है। पिप्पली, अश्वगंधा, गिलोय, शतावरी, मुलेठी, दालचीनी, इलायची और नागकेसर सहित अनेक द्रव्यों को घृत, तैल, मधु और शर्करा के साथ निर्धारित विधि से तैयार किया जाता है। आयुर्वेद में च्यवनप्राश को बल और ओज के संवर्धन, श्वसन तंत्र के स्वास्थ्य तथा सामान्य स्वास्थ्य संरक्षण के लिए उपयोगी माना गया है। हालांकि इसके सेवन को व्यक्ति की प्रकृति, आयु, मात्रा और स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप रखना आवश्यक है। आधुनिक पोषण विज्ञान में भी आंवले को पोषक तत्वों से भरपूर फल माना जाता है। इसमें विटामिन-सी के साथ पॉलीफेनॉल, फ्लेवोनॉयड और टैनिन जैसे जैव सक्रिय घटक पाए जाते हैं। ये शरीर में एंटीऑक्सीडेंट की भूमिका निभाते हैं। आंवले के पाचन, चयापचय, हृदय स्वास्थ्य तथा त्वचा और बालों से जुड़े संभावित लाभों को लेकर भी वैज्ञानिक अध्ययन किए जा रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञ यह भी स्पष्ट करते हैं कि किसी भी औषधीय फल या च्यवनप्राश को किसी बीमारी के निश्चित उपचार अथवा चिकित्सकीय दवा के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसके लाभ व्यक्ति की प्रकृति, आयु, स्वास्थ्य स्थिति, मात्रा और सेवन की विधि पर निर्भर कर सकते हैं। आंवला नवमी का संदेश केवल पूजा और परंपरा तक सीमित नहीं है। यह पर्व प्रकृति संरक्षण, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली की ओर भी प्रेरित करता है। पहला संदेश है कि औषधीय वृक्षों का संरक्षण और संवर्धन किया जाए। दूसरा संदेश स्थानीय और मौसमी फलों को उचित मात्रा में आहार का हिस्सा बनाने का है। तीसरा संदेश आयुर्वेद की उस जीवनशैली को अपनाने का है, जिसमें केवल बीमारी होने के बाद उपचार नहीं, बल्कि आहार, विहार, ऋतुचर्या, दिनचर्या और स्वास्थ्य संरक्षण को भी महत्व दिया जाता है। आज पूरी दुनिया प्राकृतिक जीवनशैली और स्वास्थ्य संवर्धन की ओर फिर से आकर्षित हो रही है। ऐसे समय में आंवला नवमी की परंपरा और उसका संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकृति और स्वास्थ्य एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। इसलिए इस आंवला नवमी पर आंवले के वृक्ष की पूजा के साथ यदि एक औषधीय पौधा लगाया जाए, उसका संरक्षण किया जाए और मौसमी आहार तथा संतुलित जीवनशैली को अपनाया जाए, तो पर्व का वास्तविक उद्देश्य भी सार्थक होगा। आंवला भारतीय परंपरा में प्रकृति की उस शक्ति का प्रतीक है, जो स्वाद, पोषण और स्वास्थ्य- तीनों को एक साथ जोड़ती है।

विकसित भारत @2047 की राह में राज्यों की आर्थिक ताकत बनेगी निर्णायक

देश की आबादी का बड़ा हिस्सा इन राज्यों में रहता है, ऐसे में इनकी अर्थव्यवस्था में तेज वृद्धि के बिना भारत की समग्र विकास दर को अपेक्षित ऊंचाई तक पहुंचाना कठिन होगा। कृषि पर निर्भरता घटाकर उद्योग और सेवा क्षेत्र का विस्तार, बड़े पैमाने पर निवेश, रोजगार के नए अवसर और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि इन राज्यों की विकास रणनीति के केंद्र में होने चाहिए।

प्रहलाद सबनानी

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तभी साकार हो सकेगा, जब देश के सभी राज्य आर्थिक विकास की दौड़ में अपनी भागीदारी बढ़ाएंगे। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े राज्यों की भूमिका निर्णायक होगी। देश की आबादी का बड़ा हिस्सा इन राज्यों में रहता है, ऐसे में इनकी अर्थव्यवस्था में तेज वृद्धि के बिना भारत की समग्र विकास दर को अपेक्षित ऊंचाई तक पहुंचाना कठिन होगा। कृषि पर निर्भरता घटाकर उद्योग और सेवा क्षेत्र का विस्तार, बड़े पैमाने पर निवेश, रोजगार के नए अवसर और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि इन राज्यों की विकास रणनीति के केंद्र में होने चाहिए।

भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प इसी आर्थिक प्रगति को व्यापक आधार देने से पूरा होगा। इसके लिए देश को लंबे समय तक तेज आर्थिक विकास दर बनाए रखनी होगी। इस दिशा में औसतन 10 प्रतिशत वार्षिक विकास दर का लक्ष्य महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह लक्ष्य तभी हासिल हो सकता है, जब देश के सभी राज्य अपनी आर्थिक क्षमता का पूरा उपयोग करें और राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अपना योगदान लगातार बढ़ाएं।

इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान की आर्थिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जनसंख्या की दृष्टि से ये देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल हैं। वर्ष 1980 के दशक में इन चारों राज्यों को 'बीमारू' राज्यों की संज्ञा दी गई थी। उस समय इनकी बड़ी आबादी, कम आर्थिक विकास दर, कमजोर औद्योगिक आधार और निम्न प्रति व्यक्ति आय प्रमुख चुनौतियां थीं। देश के प्रत्येक दस नागरिकों में लगभग चार इन राज्यों में निवास करते थे। ऐसे में इन राज्यों का पिछड़ापन राष्ट्रीय विकास की गति को भी प्रभावित करता था।

25 वर्षों में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी लगभग स्थिरइन चारों राज्यों की आर्थिक प्रगति का आकलन करने के लिए इनके सकल घरेलू उत्पाद में योगदान के आंकड़े महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000-01 में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान का भारत की जीडीपी में सम्मिलित योगदान लगभग 22 प्रतिशत था। वर्ष 2023-24 तक यह घटकर करीब 21 प्रतिशत रह गया। यानी लगभग ढाई दशक के दौरान देश के इन चार बड़े राज्यों की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी में उल्लेखनीय विस्तार दर्ज नहीं हुआ।

यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इन राज्यों के पास विशाल जनसंख्या, बड़ा घरेलू बाजार, कृषि संसाधन, प्राकृतिक संपदा और श्रमशक्ति उपलब्ध है। इसके बावजूद राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इनकी हिस्सेदारी अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाई। दूसरी ओर, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उद्योग, सेवा, निर्यात और निवेश के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है। देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी, तभी राष्ट्रीय विकास को व्यापक आधार मिलेगा। इन राज्यों की प्रगति का अर्थ करोड़ों लोगों की आय में वृद्धि, उपभोग क्षमता का विस्तार और देश के घरेलू बाजार का मजबूत होना भी है। प्रति व्यक्ति आय में बड़ा अंतर, बिहार सबसे पीछेराज्यों के आर्थिक विकास का वास्तविक आकलन प्रति व्यक्ति आय से भी होता है। वर्ष 2024-25 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,34,859 रुपये वार्षिक थी। इसके मुकाबले बिहार में यह करीब 76,000 रुपये, उत्तर प्रदेश में 1,26,304 रुपये, मध्य प्रदेश में 1,70,320 रुपये और राजस्थान में 2,06,440 रुपये रही।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि बिहार की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के लगभग एक-तिहाई के बराबर है। उत्तर प्रदेश में भी यह राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने के बावजूद दोनों राज्य राष्ट्रीय औसत तक नहीं पहुंच सके हैं।

रोजगार के मोर्चे पर भी चुनौतियां दिखाई देती हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश की बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत के आसपास थी, जबकि राजस्थान में यह 7.7 प्रतिशत और बिहार में 7.3 प्रतिशत दर्ज की गई। रोजगार के पर्याप्त अवसरों का अभाव इन राज्यों से दूसरे प्रदेशों की ओर श्रमिकों के पलायन का एक प्रमुख कारण है। उपलब्ध पलायन संबंधी आंकड़ों में बिहार और उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 37 प्रतिशत बताई गई है।

इसका अर्थ है कि इन दोनों राज्यों की बड़ी श्रमशक्ति रोजगार की तलाश में दूसरे प्रदेशों का रुख करती है। यह स्थिति एक ओर इन राज्यों में स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ाने की जरूरत बताती है, वहीं दूसरी ओर देश के औद्योगिक राज्यों के विकास में प्रवासी श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका भी सामने लाती है।

कृषि पर अधिक निर्भरता, उद्योग और सेवा क्षेत्र के विस्तार की जरूरतइन चारों राज्यों की अर्थव्यवस्था की संरचना पर नजर डालने से विकास की चुनौतियों का एक महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है। यहां कृषि पर निर्भर आबादी और अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक है। उद्योग और सेवा क्षेत्र का पर्याप्त विस्तार रोजगार सृजन की दृष्टि से अभी भी महत्वपूर्ण आवश्यकता बना हुआ है। मध्य प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 47 प्रतिशत बताया गया है, जबकि उद्योग क्षेत्र की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की 33 प्रतिशत है। राजस्थान में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 31 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का 26 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 43 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र की 28 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की 44 प्रतिशत बताई गई है। बिहार में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 25 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का 18 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 57 प्रतिशत है। इसके मुकाबले राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र की 18 से 20 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की 62 से 64 प्रतिशत के बीच बताई जाती है।

इन आंकड़ों की तुलना करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों की हिस्सेदारी का आकलन किस वर्ष और किस मूल्य आधार पर किया गया है। फिर भी व्यापक तस्वीर यह बताती है कि इन राज्यों में औद्योगिक गतिविधियों और उच्च उत्पादकता वाले रोजगार का विस्तार आर्थिक विकास की प्रमुख जरूरत है।

कृषि क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसका आधुनिकीकरण, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण, कृषि आधारित उद्योग और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। साथ ही कृषि पर निर्भर अतिरिक्त श्रमशक्ति को उद्योग और सेवा क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

बदल रही है चारों राज्यों की आर्थिक तस्वीरपिछले कुछ वर्षों में इन राज्यों ने आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने की दिशा में प्रयास किए हैं। इनके परिणाम भी अलग-अलग क्षेत्रों में दिखाई देने लगे हैं। उत्तर प्रदेश ने मोबाइल फोन उत्पादन के क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति बनाई है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। मोबाइल फोन के साथ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और उनके कलपुर्जों के उत्पादन ने राज्य को विनिर्माण क्षेत्र में नई पहचान दी है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारा, लॉजिस्टिक्स और बेहतर संपर्क सुविधाओं का विस्तार भी निवेश के लिए आधार तैयार कर रहा है।

कांग्रेस के घटते चंदे ने उड़ाई पार्टी नेताओं की नींद

यह तथ्य उसकी राजनीतिक स्वीकार्यता का महत्वपूर्ण संकेत होता है। कांग्रेस के चंदे से जुड़ा वित्तीय वर्ष 2025-26 का ताजा आंकड़ा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। 1885 में एक विदेशी नागरिक एलन ओक्टेवियन ह्यूम द्वारा ब्रितानी हितों को साधने के लिए तैयार की गई देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस के लिए यह महज आर्थिक गिरावट का आंकड़ा नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक विमर्श की दिशा पर विचार करने का अवसर भी है।

सुदेश गौड़

बयानों की राजनीति, हिंदुत्व के सवाल पर असहजता और राष्ट्रवाद को लेकर बार-बार उठते विवादों के बीच कांग्रेस की आर्थिक स्थिति का नया आंकड़ा कई सवाल खड़े करता है। किसी राजनीतिक दल की ताकत उसके सांसदों, विधायकों या चुनावी प्रदर्शन के साथ ही उससे भी मापी जाती कि उसके साथ एक बड़ा वर्ग कितना खड़ा है, कितने लोग अपनी कमाई से उसे आर्थिक सहयोग देना चाहते हैं और उद्योग जगत का कितना भरोसा उसके साथ है या नहीं। यह तथ्य उसकी राजनीतिक स्वीकार्यता का महत्वपूर्ण संकेत होता है। कांग्रेस के चंदे से जुड़ा वित्तीय वर्ष 2025-26 का ताजा आंकड़ा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। 1885 में एक विदेशी नागरिक एलन ओक्टेवियन ह्यूम द्वारा ब्रितानी हितों को साधने के लिए तैयार की गई देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस के लिए यह महज आर्थिक गिरावट का आंकड़ा नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक विमर्श की दिशा पर विचार करने का अवसर भी है। चुनाव आयोग को सौंपी गई कांग्रेस की योगदान रिपोर्ट के अनुसार, 20 हजार रुपये से अधिक के घोषित चंदे में पिछले एक वर्ष के दौरान भारी गिरावट आई है। वित्तीय 2023-24 में कांग्रेस को घोषित चंदा 241.48 करोड़ रु था जो 2024-25 में बढ़कर 517.39 करोड़ रु हो गया था पर 2025-26 के आंकड़े चौंकाने वाले रहे क्योंकि यह राशि घटकर 130.70 करोड़ रु ही रह गई है। 2025-26 में कांग्रेस को पिछले तीन वर्षों में सबसे कम घोषित चंदा मिला। ये आंकड़े 20 हजार रुपये से अधिक के घोषित योगदान के हैं, न कि पार्टी की कुल आय के।

सदस्यता शुल्क, छोटे चंदे, कूपन बिक्री और अन्य आय इसमें शामिल नहीं हैं। कांग्रेसी पैरोकारों का माना है कि कांग्रेस के चंदे में गिरावट का एक बड़ा कारण चुनावी वर्ष और गैर-चुनावी वर्ष के बीच का अंतर हो सकता है। यह सही है कि 2024-25 लोकसभा चुनाव का वर्ष था, इसलिए उस दौरान चंदे में वृद्धि स्वाभाविक थी। लेकिन 2025-26 में भी बिहार विधानसभा चुनाव हुआ और अप्रैल 2026 में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारी चल रही थी। इसके बावजूद घोषित चंदे में इतनी बड़ी गिरावट का होना राजनीतिक रूप से विचारणीय है। इस गिरावट का एक ठोस आर्थिक पहलू भी सामने आया है। प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 2024-25 में कांग्रेस को लगभग 216.34 करोड़ रु दिए थे। 2025-26 में यही राशि घटकर 25 करोड़ रु रह गई। यानी इस ट्रस्ट से मिलने वाले योगदान में लगभग 88.5 प्रतिशत की कमी आई। 2025-26 में प्रूडेंट कांग्रेस के घोषित चंदे का लगभग 19 प्रतिशत ही दे पाया, जबकि पिछले साल उसका हिस्सा 41.8 प्रतिशत था। इस कमी का कारण पार्टी की घटती लोकप्रियता माना जा रहा है।

अब सवाल है कि क्या कांग्रेस की राजनीतिक भाषा और उसके नेताओं के बयान भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। कांग्रेस के पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक व्यवहार और सार्वजनिक बयानों को देखें तो एक ऐसी छवि जरूर सामने आती है, जिसने उसके एक बड़े संभावित समर्थक वर्ग के बीच असहजता पैदा की है।हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने कहा- दीवाली खुशियों की ईद है, कई दिलों तक चलने वाली ईद है। सनातन से संबद्ध पर्वों और परंपराओं का मखौल उड़ाना कांग्रेस नेताओं की आदत सी बन गई है।क्या वे इस तरह के जुमले किसी अन्य धर्म को लेकर बोल सकते हैं? इसी तरह, 1 जुलाई 2024 को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा थाः ₹जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं, वे 24 घंटे हिंसा, हिंसा, हिंसा... नफरत, नफरत, नफरत... असत्य, असत्य, असत्य की बात करते हैं।₹ इस बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित सत्ता पक्ष के नेताओं ने आपत्ति जताई। कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं ने सफाई दी कि राहुल गांधी पूरे हिंदू समाज की नहीं बल्कि भाजपा नेताओं की बात कर रहे थे। संसद में राहुल गांधी द्वारा प्रयुक्त शब्दों ने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग में नाराजगी पैदा की और कांग्रेस को अपने आशय का बचाव करना पड़ा।

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने शामिल होने से इनकार किया था। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक रुख में इसे भाजपा और आरएसएस का राजनीतिक आयोजन बताते हुए कहा था कि धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है। कांग्रेस का अपना तर्क था लेकिन देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि सदियों की प्रतीक्षा और धार्मिक आस्था से जुड़ा ऐतिहासिक अवसर था। इसलिए कांग्रेस के इस निर्णय को लेकर राजनीतिक और सामाजिक बहस हुई। प्रियंका गांधी को बाद में पार्टी के कथित हिंदू विरोधी होने के आरोपों का जवाब देना पड़ा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के कुछ बयानों ने भी पार्टी को इस मुद्दे पर कठघरे में खड़ा किया है। अगस्त 2025 में महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण की 'हिंदू आतंकवादी' अथवा 'सनातनी आतंकवादी' शब्दावली को लेकर टिप्पणी पर विवाद हुआ। भाजपा ने इसका विरोध किया। इससे पहले 'भगवा आतंकवाद' और 'हिंदू आतंकवाद' जैसे शब्द भी भारतीय राजनीति में लंबे समय तक विवाद का विषय रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि धार्मिक पहचान से जुड़े शब्दों का इस्तेमाल संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिए, लापरवाही से नहीं।

राजनीतिक दलों को मिलने वाला चंदा केवल आर्थिक लेनदेन नहीं होता। यह उनके प्रति समर्थकों, कार्यकताओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों के विश्वास का एक संकेतक भी होता है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना को नजरअंदाज करके वह व्यापक जनसमर्थन की अपेक्षा नहीं कर सकती। राम मंदिर, सनातन परंपरा, हिंदू धार्मिक प्रतीकों और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर उसकी राजनीतिक भाषा का मूल्यांकन जनता अपने अनुभव और विश्वास के आधार पर करती है। 517 करोड़ रु से 130 करोड़ रु तक पहुंचा चंदा कांग्रेस के लिए एक गंभीर आर्थिक संकेत जरूर है। लेकिन इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या पार्टी अपने राजनीतिक विमर्श और आम भारतीय की सांस्कृतिक भावनाओं के बीच बढ़ती दूरी को समझ पा रही है?

समृद्धि का नया केन्द्र बनते गांव

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश की आर्थिक खुशहाली को इससे समझा जा सकता है कि आज भारत के गांव समृद्धि के नए केन्द्र बनते जा रहे हैं। यह कोई सरकारी निष्कर्ष नहीं है अपितु देश-दुनिया में आर्थिक हालात का अध्ययन करने वाली एक नहीं अपितु अनेक संस्थाओं का सारांश है। आज ग्रामीण क्षेत्र के रहन-सहन में जिस तरह से तेजी से बदलाव आया है और सामान्य उपभोक्ता उत्पाद ही नहीं अपितु कहने को लक्जेरियश माने जाने वाले उत्पादों का बाजार ग्रामीण क्षेत्र में शहरों की तुलना में अधिक तेजी से विस्तारित हो रहा है। यही कारण है कि एफएमसीजी कंपनियों के साथ ही इलेक्ट्रोनिक और एसयूवी वाहनों का बड़ा बाजार ग्रामीण क्षेत्र में तैयार हो गया है। आज बड़े शहर खासतौर से मेट्रोपोलिटन सीटीज दिल्ली, कोलकता, मुंबई, बैंगलोर आदि बड़े शहरों को पीछे छोड़ते हुए टियर दो और टियर 3 के शहर और ग्रामीण अधिक तेजी से आर्थिक संषाधनों से संपन्न हो रहे हैं। चाहे ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के सर्वे की रिपोर्ट हो या नाइट वेल्थ रिपोर्ट या फिर पीपुल रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकोनोमी की रिपोर्ट हो सभी में यही निष्कर्ष सामने आ रहा है कि देश में ग्रामीण क्षेत्र में बाजार अधिक तेजी से ग्रोथ कर रहा है। शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र में निजी संपत्ति अधिक बढ़ रही है। सुख-सुविधा के साधनों का बाजार ग्रामीण क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है। आज एसयूवी वाहनों, दो पहिया वाहनों और ट्रेक्टर गांवों में आम है तो फ्रीज-कूलर की तो छोड़िये एयर कंडीशनर तक गांवों में आसानी से देखने को मिल जाएंगे। इसे देश की इकोनोमी के लिए शुभ संकेत माना जाना चाहिए। दरअसल आज ग्रामीणों की सोच का दायरा भी बदला है। आज का ग्रामीण किसी भी हालात में आम शहरी से पीछे नहीं रहना चाहता। इसका एक बड़ा कारण जहां ग्रामीण क्षेत्र में भी साक्षरता का विस्तार हुआ है तो दूसरी और आवागमन की साधन, सहज वित पोषण या यों कहे कि बैंकिंग सुविधा का ग्रामीण क्षेत्र में विस्तार, वित पोषण सुविधा की सहजता और खेती किसानी में लगातार सुधार के हालात प्रमुख कारण है। वैसे भी इस साल के मानसून को छोड़ कर पिछले आठ से दस साल के मानसून को देखा जाए तो सकारात्मक ही रहा है। इसके अलावा सिंचाई के लिए मानसून पर निर्भरता भी कम हुई है तो किसानों को बाजार भी मिला है। एमएसपी को साल-दर-साल व्यावहारिक बनाया जा रहा है। हालांकि आज भी खेती-किसानी को लेकर जो प्रयास किये गये हैं या किये जा रहे हैं वे नाकाफी हैं और आज भी खेती-किसानी कोई लाभ का काम नहीं है पर खेती किसानी में यंत्रीकरण से आज पूरे परिवार को नहीं जुटना पड़ता तो आय के अन्य साधन भी विकसित होने लगे हैं। देश-दुनिया में 135 से अधिक उद्योगों और 200 से अधिक कंपनियों के डेटा विश्लेषण करने वाली ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस की मानें तो आज ग्रामीण क्षेत्र में निजी संपत्ति का तेजी से विस्तार हो रहा है। देश में 30 मिलियन डॉलर या दूसरे शब्दों में 250 करोड़ से अधिक की संपत्ति वालों की 2023 की तुलना में 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार शहरी क्षेत्र में जहां 8 फीसदी की दर से निजी संपत्ति में बढ़ोतरी हो रही है तो ग्रामीण क्षेत्र की यह विकास दर 11 फीसदी की दर से बढ़ रही है। ग्रामीण क्षेत्र में आज बोलेरो व एसयूवी वाहन आसानी से मिल जाएंगे तो आज ट्रेक्टर भी अधिकांश किसानों के पास मिल जाएंगे। देखा जाए तो आज ट्रेक्टरों के बाजार में तो सेचुरेशन वाले हालात आ गए हैं। एण्ड्रायड मोबाइल, एलईडी और फ्रीज तो आम मानकर चलें, सामान्य ग्रामीण के घर में भी एक एसी तो मिल जाना कोई नई या आश्चर्य की बात नहीं होगी। जिस तरह ग्रामीण क्षेत्र में बदलाव आ रहा है और उत्पादों की मांग बढ़ रही है उससे एक बात साफ हो गई है कि अब कंपनियों को ग्रामीण केन्द्रीत विपणन नीति बनानी पड़ रही है। उत्पादों को ग्रामीण मांग के अनुकूल बनाया जाने लगा है और कंपनियां की मार्केट रिसर्च टीम बड़े शहरों के स्थान पर गांवों को केन्द्र में रखकर विज्ञापन नीति तैयार करने लगी है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

गुमानी स्टेशन पर इंटरसिटी के ठहराव को लेकर दस दिसंबर को धरना-प्रदर्शन

नव झारखंड जन एकता संगठन ने डीआरएम को दिया अल्टीमेटम

संवाददाता



साहिबगंज/बरहरवाः बरहरवा पाकुड़ रेलखंड पर स्थित गुमानी रेलवे स्टेशन पर 13011-13012 मालदा-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर अब आंदोलन तेज होने जा रहा है। नव झारखंड जन एकता संगठन ने इस मांग पर रेलवे प्रशासन को अंतिम अल्टीमेटम देते हुए आगामी 10 दिसंबर 2026, गुरुवार को सुबह 10 बजे से गुमानी रेलवे स्टेशन परिसर में विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की है।इस संदर्भ में संगठन के अध्यक्ष फारोग अहसान ने हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डीआरएम को पत्र भेजकर आंदोलन की पूर्व सूचना दी है। पत्र में संगठन ने कहा है कि गुमानी स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर पिछले कई महीनों से लगातार लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में 7 अगस्त, 9 सितंबर और 12 अक्टूबर 2026 को भी रेलवे प्रशासन को पत्र भेजे गए थे। इसके अलावा 9 सितंबर को जनहस्ताक्षर अभियान के माध्यम से एक विस्तृत मांग-पत्र भारतीय डाक से भेजा गया था।संगठन का कहना है कि गुमानी रेलवे स्टेशन आसपास के दर्जनों गांवों और पंचायतों के लिए रेल यातायात का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, मरीज, नौकरीपेशा लोग, व्यापारी, किसान और आम यात्री आवागमन करते हैं। इसके बावजूद मालदा-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव नहीं होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि ट्रेन के ठहराव से क्षेत्र के लोगों को कोलकाता, मालदा सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों तक आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। संगठन ने इसे किसी व्यक्ति विशेष की मांग नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता का सामूहिक हित बताया है।संगठन ने रेलवे प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि गुमानी स्टेशन पर ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित करने की दिशा में तत्काल कोई ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो 10 दिसंबर को व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में क्षेत्र के आम नागरिकों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई है।संगठन ने उम्मीद जताई है कि धरना-प्रदर्शन की नौबत आने से पहले ही रेलवे प्रशासन क्षेत्र की जनता की वर्षों पुरानी मांग पर सकारात्मक निर्णय लेगा। पत्र की प्रतिलिपि पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राजमहल सांसद, साहिबगंज उपायुक्त, राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी तथा रेलवे के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों को भी भेजी गई है। अब देखना होगा कि 10 दिसंबर को प्रस्तावित आंदोलन से पहले रेलवे प्रशासन इस मांग पर कोई ठोस पहल करता है या क्षेत्र की जनता को आंदोलन के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचना पड़ेगा।

कोनहारा खुर्द में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार हुई मवेशी की चोरी

बरकट्ठा : थाना क्षेत्र के कोनहारा खुर्द में एक सप्ताह में दूसरी बार मवेशी की चोरी हुई। लगातार मवेशी चोरी की घटना से मवेशी पालक परेशान हैं। पुलिसिया सुस्ती से लोंगो में आक्रोश पनप रहा है। सोमवार के रात कोनहारा खुर्द निवासी मासुक मियां पिता कैला मियां के दो बैल की चोरी होने की घटना सामने आई है। इस बाबत किसान मासूम मियां ने थाना में आवेदन देते हुए बताया कि सोमवार के रात्रि बारह बजे के लगभग बाहर से खटपट की आवाज सुनाई दी। जब बाहर निकले तो देखा की आंगन में बंधा दो बैल मवेशी गायब है। मवेशी के खोज में बाहर निकले तो देखा कि जीटी रोड़ पर एक पिकअप गाड़ी में मवेशी को लादकर बंद किया जा रहा था।

जब गाड़ी के पीछे भागे तबतक पिकअप बरही की ओर तेज गति से चला गया। विदित हो एक सप्ताह के पूर्व कोनहारा खुर्द से ही किसान कामेश्वर यादव के तीन मवेशियों की चोरी हो गई। लगातार हो रही मवेशी चोरी की घटनाओं से लोगों में दशहत है। वहीं थाना प्रभारी आशीष कुमार भगत ने बताया कि घटना को लेकर पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। साथ ही पुलिस गस्ती को रात्रि में लगातार जीटी रोड़ पर भ्रमण करने और चेक करने का निर्देश दिया गया है।

देवाना पहाड़ और पूपम पहाड़ के ग्रामीण आज भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से हैं वंचित

गर्भवती महिलाओं को खटिया पर लादकर दुर्गम रास्तों से ले जाना पड़ता है अस्पताल

संवाददाता



साहिबगंज : जिले के तालझारी प्रखंड अंतर्गत सालगाछी संथाली पंचायत के शिवगादी, गम्हरिया, देवाना पहाड़ और पूपम पहाड़ के ग्रामीण आज भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित हैं। ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को लेकर पंचायत समिति सदस्य चपा पहाड़िया ने उपायुक्त को आवेदन सौंपकर शिवगादी मंदिर मुख्य सड़क से गम्हरिया होते हुए देवाना पहाड़ और पूपम पहाड़ तक पक्की सड़क निर्माण कराने की मांग की है।आवेदन में उन्होंने बताया कि इन गांवों तक पक्की सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।सबसे गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है।जब किसी ग्रामीण की तबीयत बिगड़ जाती है या किसी गर्भवती महिला को प्रसव के लिए अस्पताल पहुंचाना होता है। सड़क के अभाव में मरीजों और गर्भवती महिलाओं को खटिया पर लादकर दुर्गम रास्तों से अस्पताल ले जाना पड़ता है।इससे समय पर इलाज मिलना भी मुश्किल हो जाता है।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या के कारण बच्चों की पढ़ाई, हाट-बाजार और अन्य जरूरी कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।विद्यार्थियों को बरहेट स्थित स्कूल-कॉलेज आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।फिलहाल ग्रामीण एक संकरे और दुर्गम रास्ते के सहारे आवागमन करने को मजबूर हैं।पंचायत समिति सदस्य चपा पहाड़िया ने उपायुक्त से ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत उक्त सड़क का निर्माण कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिवगादी मंदिर मुख्य सड़क से गम्हरिया होते हुए देवाना पहाड़ और पूपम पहाड़ तक सड़क बन जाने से कई गांवों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।इससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षा, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में सहूलियत होगी।उन्होंने जिला प्रशासन से ग्रामीणों की इस वर्षों पुरानी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द सड़क निर्माण की दिशा में आवश्यक पहल करने की अपील की है।

बरहरवा आरपीएफ ने स्टेशन से दो नाबालिकों का किया रेस्क्यू बाल संरक्षण को किया सुपुर्द

संवाददाता

साहिबगंज/ बरहरवा : मंगलवार की सुबह लगभग 08:45 बजे एसआई एलबी मांझी एवं सिटी अजय कुमार आरपीएफ पोस्ट बरहरवा द्वारा बरहरवा रेलवे स्टेशन पर नियमित गश्त के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या1 पर दो नाबालिग बालकों को संदिग्ध अवस्था में बिना किसी उद्देश्य के घूमते हुए देखा गया।पूछताछ के दौरान दोनों बच्चों की उम्र क्रमशः 10 एवं 11 वर्ष पाई गई। आगे पूछताछ करने पर बच्चों ने बताया कि वे अपने परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से निकल आए थे तथा ट्रेन में सवार होकर बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंच गए थे। ट्रेन से उतरने के बाद वे प्लेटफॉर्म पर



इधर-उधर घूम रहे थे।बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए बरहरवा आरपीएफ कर्मियों द्वारा दोनो नाबालिकों को सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट लाया गया तथा तत्काल बाल संरक्षण संस्था साहिबगंज को इसकी सूचना दी गई।सूचना प्राप्त होने पर बाल संरक्षण संस्था, साहिबगंज की प्रतिनिधि श्रीमती आराधना मंडल आरपीएफ पोस्ट बरहरवा पहुंचीं। आवश्यक कानूनी एवं औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी करने के उपरांत दोनों नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रूप से उनके सुपुर्द कर दिया गया, ताकि उनके पुनर्वास एवं परिजनों से संपर्क स्थापित करने की अग्रेतर कार्रवाई की जा सके।

क्या कहते है आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार

आरपीएफ बरहरवा द्वारा बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण एवं मानव तस्करी तथा बाल अपराधों की रोकथाम के प्रति लगातार सतर्कता बरती जा रही है।जनहित में अपीलः अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों के साथ उचित संवाद एवं देखभाल बनाए रखें तथा उन्हें बिना बताए घर से बाहर न जाने के प्रति जागरूक करें।

तालाब से मिला 18 वर्षीय युवक का शव, इलाके में फैली सनसनी



चंदवा (लातेहार) : चंदवा थाना क्षेत्र के चकला पंचायत अंतर्गत पडुवा हरैया स्थित एक तालाब से सोमवार की संध्या एक 18 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान सूरज उरांव (18 वर्ष), पिता सिनोद उरांव, निवासी चकला पडुवा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, तालाब में युवक का शव होने की सूचना ग्रामीणों ने चंदवा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया गया।

घटना के बाद इलाके में चर्चा और शोक का माहौल है। फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा नहीं हो सका है। चंदवा पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

गौशाला मेले की पुरानी पहचान लौटाएंगे पंकज मिश्रा, दो वर्षों में बनेगा भव्य स्टेडियम

- इंटरनेशनल दंगल में देश-विदेश के पहलवानों ने दिखाया दमखम
- कुश्ती के रोमांचक मुकाबलों पर दर्शकों ने खूब बजाईं तालियां

संवाददाता



साहिबगंज : गोपाष्टमी के पावन अवसर पर मंगलवार को साहिबगंज सदर प्रखंड के महादेवगंज स्थित डाकिनाथ महादेव गौशाला परिसर में दो दिवसीय गौशाला मेला एवं अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में बिहार झारखंड,उत्तर प्रदेश,पंजाब,पश्चिम बंगाल,हरियाणा, दिल्ली सहित नेपाल के पहलवानों ने भाग लेकर अपने शानदार दांव-पेच और कुश्ती कौशल का प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबलों के दौरान पहलवानों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।कुश्ती प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त दीपक कुमार दुबे,पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह,झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा,भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश तिवारी सहित अन्य अतिथियों ने भगवान श्रीकृष्ण,बजरंगबली एवं भारत माता के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया।इस दौरान पूरा गौशाला परिसर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा। अतिथियों ने पहलवानों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जबकि झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने कहा कि गौशाला मेले की पुरानी पहचान और गौरव को फिर से वापस लाया जाएगा। कभी यह मेला साहिबगंज की विशिष्ट पहचान हुआ करता था।अंतरराष्ट्रीय स्तर के दंगल में देश-विदेश के पहलवानों का जुटना जिले के लिए गौरव की बात है।उन्होंने कहा कि गौशाला के पास लगभग 400 एकड़ गोचर भूमि है।यहां अगले दो वर्षों के अंदर भव्य स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा।गौशाला मेले के 75वें वर्ष में स्टेडियम को तैयार करने का लक्ष्य है।उन्होंने कहा कि गौशाला की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। यहां पशुओं के रहने,चारा और समुचित देखभाल के साथ पशु चिकित्सक की भी व्यवस्था होगी। आने वाले वर्ष से मेले का आयोजन और अधिक भव्य तरीके से किया जाएगा।उन्होंने कहा कि गौशाला मेले के दौरान पहले ट्रेनों का ठहराव होता था।इस पर रेल प्रशासन से बातचीत कर मेले के दौरान तीन दिनों तक ट्रेनों के ठहराव की मांग की जाएगी।इसके अलावा सदर प्रखंड क्षेत्र में आधुनिक अस्पताल का निर्माण कराया जाएगा। जल्द ही जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया जाएगा।उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने कहा कि देश-विदेश के पहलवानों की भागीदारी से गौशाला मेले में राष्ट्रीय स्तर का दंगल आयोजित हो रहा है। खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए ताकि वे आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।उन्होंने क्षेत्र के लोगों को स्टेडियम निर्माण की मांग जल्द पूरी होने का भरोसा भी दिलाया।वहीं एसपी अमित कुमार सिंह ने युवाओं और बच्चों से मोबाइल से दूरी बनाकर खेलकूद से जुड़ने की अपील की।उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से युवा जिला और राज्य का नाम रोशन कर सकते हैं।भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने भी क्षेत्र में स्टेडियम निर्माण की मांग उठाई।आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों का अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया गया।प्रतियोगिता के दौरान विजेता पहलवानों को मेडल,ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।मंगलवार को प्रतियोगिता का पहला दिन रहा,जबकि बुधवार को दूसरे व अंतिम दिन भी पहलवानों के बीच रोमांचक मुकाबले होंगे।मौके पर एसडीपीओ सुशील कुमार झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह,बबलू मिश्रा,भाजपा नेता मनोज यादव,अमित सिंह,कांग्रेस नेता मोहम्मद कलीमुद्दीन,बास्की यादव,अजय यादव,दारा यादव,राजेश यादव,नंदन यादव, कृष्णा यादव,रोहित यादव सहित आयोजन समिति के दर्जनों सदस्य एवं हजारों की संख्या में खेलप्रेमी मौजूद थे।

गौशाला मेले में उमड़ी भीड़,दुकानों पर जमकर हुई खरीदारी

महादेवगंज स्थित डाकिनाथ महादेव गौशाला परिसर में आयोजित दो दिवसीय गौशाला मेले में श्रद्धालुओं और आम लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की तथा गौ माता को चारा और भोजन कराकर सुख-समृद्धि की कामना की।मेले में खाने-पीने,घरेलू उपयोग की सामग्री और फर्नीचर सहित विभिन्न प्रकार की दुकानें सजाई गई थीं। लोगों ने जमकर खरीदारी की और मेले का आनंद उठाया।

बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला,तारामाची सहित कई आकर्षक व्यवस्थाएं की गई थीं।शाम होते ही विद्युत रोशनी से पूरा मेला परिसर जगमगा उठा।वहीं, प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।ताकि मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

न्यूज IN ब्रीफ

धनंजय वैष्णव के श्रीमुख से पश्चिमी जामनगर में बहेगी श्रीमद्भागवत कथा की अमृतधारा



साहिबगंज/राजमहल : कार्तिक पूजा के पावन अवसर पर राजमहल प्रखंड के पश्चिमी जामनगर स्थित झल्लू मंडल टोला में 17 नवंबर से 24 नवंबर 2026 तक आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव एवं भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है।इस धार्मिक महोत्सव को लेकर ग्रामीणों एवं आयोजन समिति की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण माहौल बना हुआ है।इस महोत्सव में अयोध्या उत्तर प्रदेश स्थित शांति कुटिया,प्रमोदवन के सुप्रसिद्ध कथावाचक धनंजय वैष्णव जी महाराज अपने श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। 17 नवंबर मंगलवार को सुबह 7 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद 17 नवंबर से 23 नवंबर तक प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा भजन-कीर्तन एवं धार्मिक प्रवचन का आयोजन किया जाएगा।वहीं 24 नवंबर मंगलवार को सुबह 7 बजे विधिवत हवन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।इस अवसर पर 17 से 24 नवंबर तक भव्य मेले का भी आयोजन होगा।मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले,खिलौनों की दुकानें,खान-पान के स्टॉल एवं अन्य मनोरंजक दुकानें आकर्षण का केंद्र रहेंगी।वही आयोजन समिति की ओर से प्रतिदिन पूजा-पाठ,आरती,भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।संध्या आरती के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी रहेगी।इसके अलावा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेयजल,स्वच्छता एवं सुरक्षा की व्यवस्था की जा रही है। आयोजन को सफल बनाने के लिए पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन से भी सहयोग की अपेक्षा की गई है।आयोजन समिति एवं समस्त ग्रामवासियों ने क्षेत्र के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने तथा धार्मिक महोत्सव एवं मेले में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण और जमीन की समस्याओं के समाधान को लेकर आज लातेहार में निकलेगा आक्रोश मार्च



लातेहार : जिले में ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने तथा जमीन से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग को लेकर 18 नवंबर को युवा राष्ट्रीय जनता दल की ओर से विशाल आक्रोश मार्च का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे लातेहार में आयोजित होगा। इसमें युवा राष्ट्रीय जनता दल, झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष रंजन यादव मुख्य रूप से शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, आक्रोश मार्च का मुख्य उद्देश्य ओबीसी समाज को उचित आरक्षण दिलाने और जमीन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को न्याय दिलाने की मांग को मजबूती से उठाना है। इस दौरान सामाजिक न्याय, सम्मान और समान अधिकार के मुद्दों पर आवाज बुलंद की जाएगी। आयोजकों ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि आम जनता के संवैधानिक और सामाजिक अधिकारों की मांग को लेकर है। ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण देने तथा जमीन से संबंधित समस्याओं का स्थायी समाधान करने की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी। युवा राष्ट्रीय जनता दल ने अधिक से अधिक लोगों से आक्रोश मार्च में शामिल होने की अपील की है। संगठन का कहना है कि सामाजिक न्याय और अधिकारों से जुड़े इन मुद्दों पर जनभागीदारी के माध्यम से अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

जनता दरबार में डीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं, जल्द समाधान का दिया भरोसा

हजारीबाग : डीसी कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं एवं शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सभी मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। जनता दरबार में मुख्य रूप से सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन, रोजगार, प्रमाण पत्र, अबुआ आवास योजना, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज एवं दखल-दिहानी, मुआवजा, नाली निर्माण सहित अन्य जन समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों की जांच करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सभी विभागीय पदाधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में दम दिखाएंगे रामगढ़ के हांसी नेपाल

रामगढ़ : असम के बोंगाईगांव स्थित इंडोर हॉल में 21 एवं 22 नवंबर को आयोजित होने वाली 10वीं अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में रामगढ़ के हांसी नेपाल विश्वकर्मा झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में हिस्सा लेने जा रहे हांसी नेपाल विश्वकर्मा ने कराटे में 8वां डान प्राप्त किया हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी से रामगढ़ और झारखंड को गौरव मिलने की उम्मीद है।

पांच ठिकानों पर छापेमारी, 45 लीटर अवैध शराब जब्त

रामगढ़ : जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए उत्पाद विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर बरकाकाना थाना क्षेत्र के तेलियातु गांव में उत्पाद विभाग की टीम ने एक साथ पांच अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान करीब 45 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की गई।

छापेमारी दल में उत्पाद अवर निरीक्षक अमित किशोर प्रसाद और गृह रक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे। विभाग की ओर से अवैध शराब की बिक्री में संलिप्त आरोपितों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मुझे 16 साल की उम्र में ही पता चल गया था कि अभिनेत्री बनूंगी : दीपिका पादुकोण



बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने एक्टिंग करियर के बारे में बताया कि उन्हें 16 साल की उम्र में पता चल गया था कि वह अभिनेत्री बनना चाहती थीं। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इस समय बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद अभिनेत्रियों में से एक हैं। जब उन्होंने 'ट्रिपल एक्स : द रिटर्न ऑफ जेंडर केज' के साथ हॉलीवुड में कदम रखा, तो दीपिका 'द एलेन डीजेनेरेस शो' में भी नजर आईं। एलेन से बात करते हुए 'बाजीराव मस्तानी' फिल्म की अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में खुलकर बात की। दीपिका ने बताया कि उन्होंने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब कोई भी प्रोफेशनल तौर पर बैडमिंटन नहीं खेलता था। उस समय हर कोई डॉक्टर या वकील बनना चाहता था, लेकिन वे एक खिलाड़ी थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो अभिनेत्री ने जवाब दिया कि मैं ऐसा करके उन्हें खुश कर सकती थी, लेकिन वे हमेशा यही कहते थे कि अपने दिल की सुनो। अभिनय के प्रति अपना प्यार जताते हुए दीपिका ने बताया कि 16 साल की उम्र में ही उन्हें पता चल गया था कि वह एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें बेहद खुशी देता है। दीपिका ने एलेन को यह भी बताया कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय अभिनेत्री ने अपनी मां को भरोसा दिलाया कि वह उनके पैसे लौटा देंगी और उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी। दीपिका ने बताया कि एक दिन मैंने अपनी मां को बिठाया और कहा कि क्या मैं आपसे 10,000 रुपए उधार ले सकती हूं? मुझे पोर्टफोलियो शूट करने के लिए पैसों की जरूरत थी। मैंने उनसे कहा कि एक दिन मैं उन्हें गौरवान्वित करूंगी और कभी न कभी उनके पैसे भी लौटा दूंगी। साल 2007 में शाहरुख खान के साथ 'ओम शांति ओम' से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका कई प्रमुख फिल्मों का हिस्सा बनीं, जिनमें 'ये जवानी है दीवानी (2013)', 'चेन्नई एक्सप्रेस (2013)', 'गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013)', 'पीकू (2015)', 'बाजीराव मस्तानी (2015)', 'पद्मावत (2018)', 'छपाक (2020)', 'पठान (2023)', 'जवान (2023)' और 'कल्कि 2898 एडी (2024)' शामिल हैं। दीपिका बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' में शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी।

सलमान खान ने श्रद्धा के लिए शेयर किया स्पेशल पोस्ट

सलमान खान की 'मातृभूमि' 4 दिसंबर को रिलीज होने वाली है. जिसका श्रद्धा कपूर की 'ईठा' से क्लैश होगा. इस टक्कर से पहले सुपरस्टार ने एक स्पेशल पोस्ट लिख दिया है.

2026 के आखिरी महीने यानी दिसंबर में खूब धमाल होने वाला है. अब क्योंकि पहले ही हफ्ते में एक महाक्लैश देखने को मिलेगा. एक तरफ सलमान खान अपनी 'मातृभूमि' लेकर आ रहे हैं, तो दूसरी ओर श्रद्धा कपूर की 'ईठा' है. यूं तो मैडॉक वाले पहले ही इस डेट पर रुमाल रख चुके थे पर सलमान भी क्या करते? उनकी लंबे वक्त से यह फिल्म अटकी हुई है, अब जितनी देर करते उतना ही नुकसान होता चला जाता. इसलिए उन्होंने भी 4 दिसंबर को फिल्म रिलीज करने का ऐलान कर दिया. बॉलीवुड में फिल्मों के बीच क्लैश और बॉक्स ऑफिस की टक्कर आम बात है. लेकिन कई बार सितारों के बीच का आपसी प्यार और सपोर्ट सभी गिले-शिकवे मिटा देता है.अब इस बड़े क्लैश से पहले सुपरस्टार सलमान खान ने श्रद्धा कपूर के लिए स्पेशल स्टोरी शेयर की है.



सलमान खान ने जीता फैन्स का दिल

क्लैश की खबरों के बीच सलमान खान की इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया. जहां सलमान खान ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर दिनेश विजन की फिल्म 'ईठा' का एक शानदार पोस्टर शेयर किया. पोस्टर में श्रद्धा कपूर का बेहद इंटेंस और दमदार लुक नजर आ रहा है. इस पोस्टर के साथ सलमान ने फिल्म की पूरी टीम और श्रद्धा कपूर को शुभकामनाएं दी. भाईजान का यह अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

'ओ साथी रे' में दिखेगी अधूरी मोहब्बत की कहानी, इम्तियाज बोले-

प्यार खूबसूरत है पर रिश्ता बराबर नहीं



इम्तियाज अली आगामी वेब सीरीज 'ओ साथी रे' ओटीटी पर प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। इम्तियाज अली ने कहा कि यह सीरीज एक मॉडर्न रोमांटिर शो है, जिसका दिल पुराने जमाने का है। सीरीज के बारे में बात करते हुए इम्तियाज ने कहा, ''ओ साथी रे' एक मॉडर्न रोमांटिक शो है, जिसका दिल पुराने जमाने का है। कभी-कभी प्यार आपको सबसे अनजान जगहों पर मिलकर चौंका देता है। ये एक तलाक ले रहे कपल के बीच बढ़ते लगाव की कहानी है। लगाव में धड़कता हुआ दिल होता है, प्यार खूबसूरत होता है लेकिन रिश्ता बराबर नहीं हो सकता। 'ओ साथी रे' उन किरदारों की कहानी है, जो प्यार में मौजूद असमानता से गुजरते हैं। अपनी पहचान और चाहत को समझने से लेकर रिश्तों में पावर की लड़ाई और समझने और छोड़ देने के बीच के नाजुक बैलेंस तक। ये सीरीज प्यार को एक समझदार नजरिए से दिखाती है, जो आम रोमांटिक कहानियों से अलग है।' इम्तियाज ने कहा, 'एक परफेक्ट कपल होना कई बार बोझ भी बन जाता है। 'ओ साथी रे' में हमें देखने को मिलेगा कि जहां चाहत, सपने और साथ आने का नाम है, वहीं ये छोड़ देने की प्रक्रिया भी हो सकती है। किरदार कई परतों वाले और बिल्कुल असली जिंदगी जैसे हैं, इसीलिए हमने सबसे बेहतरीन एक्टर्स को लिया है। यह सीरीज एक ऐसे जोड़े की कहानी है जो तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहा है। इसमें समकालीन रिश्तों की जटिलताओं, प्यार, अलगाव और त्याग की भावनाओं को बेहद मार्मिक अंदाज में दिखाया गया है। आरिफ अली द्वारा निर्देशित सीरीज में अदिति राव हैदरी, अविनाश तिवारी और अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

गुरु रंधावा ने तीसरी कक्षा में गाया था अपना पहला गाना, बोले-

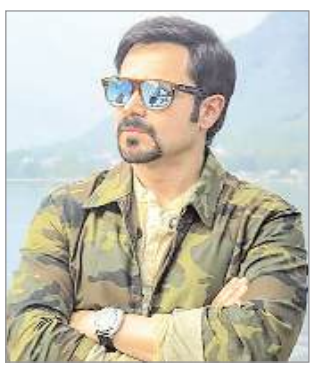
'मेरा एकमात्र सपना पूरी दुनिया के लिए गाना था'



गायक गुरु रंधावा अपने अब तक के सबसे बड़े संगीतमय विजन को साकार करने की तैयारी में हैं। उन्होंने अपने आगामी कॉन्सर्ट 'सिर्रा एरा' की घोषणा करते हुए कहा कि दुनिया के लिए गाने का उनका बचपन का सपना आखिरकार सच हो गया है। गुरु रंधावा ने इंस्टाग्राम पर अपनी संगीत यात्रा को याद करते हुए बताया कि उन्होंने तीसरी कक्षा में गाना शुरू किया था और अपने पहले बड़े अवसर तक पहुंचने के कठिन सफर में उन्हें ईश्वर की कृपा का साथ मिला। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से वह स्टूडियो में लगातार काम कर रहे थे और अब अपने सबसे बड़े विजन को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि 31 दिनों बाद होने वाला उनका कॉन्सर्ट उनके और उनके प्रशंसकों के लिए एक साझा उत्सव होगा। गुरु रंधावा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'अगर मैं तीसरी कक्षा में अपना पहला गीत गाने वाले उस बच्चे को बता पाता कि यह सफर उसे कहां तक ले जाएगा, तो उसे यकीन नहीं होता। मेरा एकमात्र सपना दुनिया के लिए गाना था और आज मैं उसे जी रहा हूं। मेरा पहला बड़ा मौका मिलने तक का रास्ता कठिन था लेकिन ईश्वर की कृपा ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। ' उन्होंने आगे लिखा, 'पिछले कुछ साल स्टूडियो में बिताने के बाद अब मैं अपने सबसे बड़े विजन को साकार करने के लिए तैयार हूं। ठीक 31 दिनों बाद हम 'सिर्रा एरा' में प्रवेश करेंगे। यह सिर्फ मेरा ड्रीम कॉन्सर्ट नहीं बल्कि हमारा साझा जश्न है। मैं आप सभी को अपने पसंदीदा गाने को मेरे साथ गाते हुए सुनने के लिए उत्साहित हूं। ' इससे पहले, 15 सितंबर को गुरु रंधावा ने अभिनेत्री निकिता दत्ता के साथ अपना नया रोमांटिक सिंगल '2 आइज' रिलीज किया था। उन्होंने कहा था कि यह गीत इस विचार पर आधारित है कि किसी व्यक्ति के प्रेम और सुंदरता की गहराई को आंखें पूरी तरह कभी नहीं देख सकतीं। यह पंजाबी गीत गुरु रंधावा की शुरुआती हिट रचनाओं 'बन जा रानी' और 'मून राइज' जैसी भावनात्मक और कहानी प्रधान शैली की ओर उनकी वापसी को दर्शाता है।

मेरी फिल्में टीवी पर आते ही पेरेंट्स बच्चों को सुला देते...

Emraan Hashmi ने अपनी नई फिल्म 'गनमास्टर G9' के ट्रेलर लॉन्च पर अपनी पुरानी 'सीरियल किसर' इमेज पर बात की और कहा कि उन्हें इसका नतीजा पिछले 20 सालों से भुगतना पड़ रहा है. इमरान हाशमी अपनी नई फिल्म 'गनमास्टर G9' के साथ बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं. बुधवार, 11 नवंबर 2026 को पुणे में इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ, जहां इमरान के साथ जेनेलिया देशमुख, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक सिंह, डायरेक्टर आदित्य दत्त और प्रोड्यूसर दीपक मुकुट भी मौजूद थे. इस खास मौके पर इमरान ने अपने करियर के शुरुआती दिनों और अपनी 'सीरियल किसर' वाली इमेज पर खुलकर बात की और सीधे डायरेक्टर आदित्य दत्त को घेर लिया. करियर के शुरुआती दौर में इमरान हाशमी की रोमांटिक फिल्मों में बोल्ड सीन्स की वजह से उन्हें 'सीरियल किसर' का टैग मिला था.



ओलंपियन मनु भाकर आईएसएसएफ एथलीट्स समिति की सदस्य निर्वाचित



नई दिल्ली : दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) की एथलीट्स समिति का सदस्य निर्वाचित किया गया है। उनका कार्यकाल 2026 से 2030 तक होगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) को महासंघ की ओर से मनु के निर्वाचन की आधिकारिक पुष्टि मिल गई है। म्यूनिख से 16 नवंबर को जारी आधिकारिक पत्र में आईएसएसएफ के अध्यक्ष लुसियानो रोसी और महासचिव एलेसांद्रो निकोत्रा डी सैन जियाकोमो ने मनु को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उनका निर्वाचन दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान सक्रिय निशानेबाजों के बीच कराए गए ऑनलाइन मतदान के आधार पर हुआ। इनमें मिस्र के काहिरा में आयोजित आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (300 मीटर राइफल) और कतर के दोहा में आयोजित आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) शामिल हैं। मनु भाकर उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें राइफल, पिस्टल और शॉटगन वर्गों से समिति के लिए चुना गया है। इस चुनाव में 20 सदस्य महासंघों के 22 उम्मीदवार मैदान में थे। प्रत्येक निशानेबाजी वर्ग से दो प्रतिनिधियों का चयन खिलाड़ियों ने अपने बीच से किया। समिति के शेष सदस्यों को अब आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति नामित करेगी। अपने निर्वाचन पर मनु भाकर ने कहा कि एथलीट्स समिति का सदस्य चुना जाना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने साथी निशानेबाजों के भरोसे के लिए आभार जताते हुए कहा कि वह खिलाड़ियों की आवाज को मजबूती से उठाने, नियमों और प्रतियोगिता कार्यक्रमों को अधिक स्पष्ट बनाने तथा खिलाड़ियों के लिए बेहतर सहयोग व्यवस्था विकसित करने की दिशा में काम करेंगी। साथ ही जमीनी स्तर पर नई प्रतिभाओं को तैयार करने और पूरे निशानेबाजी समुदाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनआरएआई ने मनु के निर्वाचन का स्वागत करते हुए कहा कि इससे वैश्विक स्तर पर खिलाड़ियों के हितों और उनकी समस्याओं को उठाने में भारत की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह नियुक्ति लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आईपीएल की सभी 10 टीमों ने जारी की रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची, कई बड़े नाम बाहर

एजेंसी



नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सभी 10 फ्रेंचाइजी ने आगामी सत्र के लिए अपने रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इस बार कई टीमों ने अपने दल में बड़े बदलाव किए हैं। महेंद्र सिंह धोनी, ट्रेंट बोल्ट, ट्रैविस हेड, मिचेल स्टार्क और अजिंक्य रहाणे जैसे चर्चित नाम रिलीज किए गए खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। वहीं, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, संजू सैमसन और रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के ट्रेड के जरिए टीम बदलने से भी समीकरण बदले हैं।

टीमों की ओर से जारी सूची इस प्रकार है–

1. चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)
रिलीज खिलाड़ी: एमएस धोनी, अमन खान, डियान फॉरेस्टर, कुलदीप यादव, मैकनील नोरोन्हा, मैथ्यू शॉर्ट, मैट हेनरी, आकाश मधवाल, प्रशांत वीर, स्पेंसर जॉनसन, जैक फॉल्क्स, खलील अहमद (ट्रेड आउट), नाथन एलिस (ट्रेड आउट)।

रिटेन खिलाड़ीः ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे, उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, राहुल चाहर, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, अकील हुसैन, लियाम लिविंगस्टोन (ट्रेड इन), जैक एडवर्ड्स (ट्रेड इन)।

2. मुंबई इंडियंस (एमआई)
रिलीज खिलाड़ीः ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, एएम गजनफर, अथर्व अंकोलेकर, केशव महाराज, मोहम्मद इजहार, दानिश मालवर, मयंक मार्कंडे, मयंक रावत, महिपाल लोमरोर, रॉबिन मिंज, रुचित अहिर, कृष भगत, हार्दिक पांड्या (ट्रेड आउट)।
रिटेन खिलाड़ी: रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, तिलक वर्मा, नमन धीर, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटन डी कॉक, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, शार्दुल ठाकुर, राज बावा, मिचेल सैंटनर, अश्वनी कुमार, रघु शर्मा, अर्शदीप सिंह (ट्रेड इन)।

3. दिल्ली कैपिटल्स (डीसी)
रिलीज खिलाड़ीः मिचेल स्टार्क, नीतीश राणा, अभिषेक पोरेल, पथुम निसांका, बेन डकेट, करुण नायर, साहिल पारख, दुश्मंथा चमीरा, रेहान अहमद, अजय मंडल, टी. नटराजन (ट्रेड आउट), कुलदीप यादव (ट्रेड आउट)।
रिटेन खिलाड़ी: अक्षर पटेल, केएल राहुल, पृथ्वी शॉ, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, औकिब नबी, विप्रज निगम, माधव तिवारी, त्रिपुराना विजय, काइल जैमीसन, ऋषभ पंत (ट्रेड इन), जीशान अंसारी (ट्रेड इन)।
4. लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी)
रिलीज खिलाड़ी: आवेश खान, मैथ्यू ब्रीट्जके, एनरिक नॉर्टजे, जॉर्ज लिंडे, वानिंदु हसरंगा, नमन तिवारी, हिम्मत सिंह, ऋषभ पंत (ट्रेड आउट), मोहम्मद शमी (ट्रेड आउट), एम. सिद्धार्थ (ट्रेड आउट)।
रिटेन खिलाड़ीः मिचेल मार्श, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, जोश इंग्लिस, आयुष बदोनी, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, शाहबाज अहमद, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, मोहसिन खान, मयंक यादव, आकाश सिंह, अर्जुन तेंदुलकर, अर्शिन कुलकर्णी, कुलदीप यादव (ट्रेड इन), सैम करन (ट्रेड इन)।
5. पंजाब किंग्स (पीबीकेएस)
रिलीज खिलाड़ी: नेहाल वढेरा, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल ओवेन, पायला अविनाश, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, अर्शदीप सिंह (ट्रेड आउट)।
रिटेन खिलाड़ी: श्रेयस अय्यर, प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मुशीर खान, विष्णु विनोद, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, सूर्यांश शेडगे, जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशुइस, यश ठाकुर, व्यशाक विजयकुमार, युजवेंद्र चहल, हरप्रीत बराड़, हरनूर सिंह, हार्दिक पांड्या (ट्रेड इन)।
6. राजस्थान रॉयल्स (आरआर)
रिलीज खिलाड़ीः शिमरोन हेटमायर, एडम मिल्ने, क्वेना मफाका, तुषार देशपांडे, कुलदीप सेन, युधवीर सिंह, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह, इमानजोत चहल, सैम करन (ट्रेड आउट)।

भारतीय तेज गेंदबाज हर्षल पटेल अब आईपीएल में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते नजर आएंगे



– दो बार पर्पल कैप जीत चुके तेज गेंदबाज चार करोड़ रुपये में हुए ट्रेड, आईपीएल में अब तक 124 मैचों में ले चुके हैं 151 विकेट

नई दिल्ली : दो बार पर्पल कैप जीत चुके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षल पटेल आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते नजर आएंगे। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद से ट्रेड के जरिए गुजरात टाइटंस में शामिल किया गया है। हर्षल को सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल-2025 की नीलामी में आठ करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन अब वह चार करोड़ रुपये में गुजरात की टीम का हिस्सा बनेंगे। अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी और रणनीतिक कौशल के लिए पहचाने जाने वाले हर्षल के पास आईपीएल का अच्छा अनुभव है। उन्होंने 2012 में आईपीएल पदार्पण किया था। इसके बाद चार फ्रेंचाइजी की ओर से खेलते हुए 124 मुकाबलों में कुल 151 विकेट हासिल किए हैं।

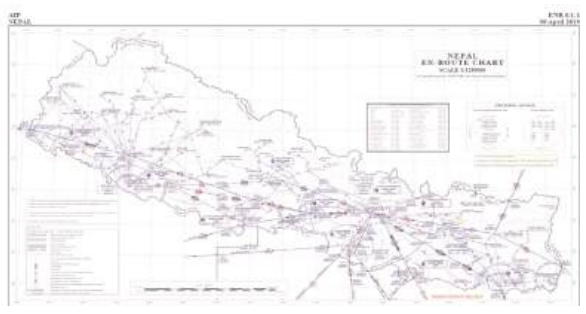
नेपाल को उत्तराखंड का एयर रूट देने को तैयार हुआ भारत, बालेन्द्र शाह के दौरे में होगा समझौता

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल को 12 वर्षों से अधिक समय से प्रतीक्षित अतिरिक्त हवाई प्रवेश मार्ग (एयर रूट) उपलब्ध कराने के लिए भारत तैयार होता दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की आगामी भारत यात्रा के दौरान नेपाल की ओर से उठाए जाने वाले प्रमुख समझौते में एयर रूट का मामला शामिल होना लगभग तय माना जा रहा है। प्रधानमंत्री शाह 22 नवंबर को भारत यात्रा पर जाने की तैयारी में हैं।

एयर रूट के मुद्दे पर चर्चा के लिए संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सहसचिव एवं प्रशासन तथा योजना महाशाखा प्रमुख जयनारायण आचार्य, विदेश मंत्रालय के सहसचिव एवं दक्षिण एशिया महाशाखा प्रमुख गेहेन्द्र राजभण्डारी और नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के महानिदेशक मुकेश डंगोल नई दिल्ली पहुंचे थे। नेपाल विशेष रूप से भैरहवा, नेपालगंज, महेन्द्रनगर और जनकपुर के लिए अतिरिक्त हवाई प्रवेश मार्ग उपलब्ध कराने की मांग भारत से करता रहा है।

हाल ही में नई दिल्ली में हुई बातचीत के बाद भारत उत्तराखंड के बनवासा होते हुए नेपाल के महेन्द्रनगर के रास्ते विमानों को प्रवेश देने के लिए सकारात्मक दिखाई दिया है। दिल्ली से लौटे महानिदेशक डंगोल ने कहा, ह्बातचीत काफी सकारात्मक रही है। हमने अपनी जरूरतों और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की है। इस पर उच्चस्तरीय बातचीत के बाद निर्णय होगा। महेन्द्रनगर से एयर रूट देने के मुद्दे पर भारतीय पक्ष काफी सकारात्मक दिखा है।



एक ही एयर रूट पर निर्भर हैं नेपाल की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

भारत की ओर से अतिरिक्त हवाई प्रवेश मार्ग उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण नेपाल की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें फिलहाल एक ही प्रवेश बिंदु पर निर्भर हैं। कई विमानों को बिहार के रक्सौल से नेपाल के सिमरा के रास्ते नेपाल में प्रवेश करना या बाहर निकलना पड़ता है। इससे हवाई यातायात के प्रबंधन में चुनौतियां पैदा होती हैं।

पश्चिमी देशों और मध्य पूर्व से आने वाले विमानों को भैरहवा या महेन्द्रनगर के रास्ते सीधे नेपाल में प्रवेश की अनुमति नहीं है। ऐसे विमानों को लंबा चक्कर लगाकर सिमरा के रास्ते नेपाल आना पड़ता है। इस वजह से उड़ान का समय 25 मिनट से अधिक बढ़ जाता है और ईंधन की खपत भी ज्यादा होती है। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, यदि अंतरराष्ट्रीय विमानों को महेन्द्रनगर के रास्ते नेपाल में प्रवेश की अनुमति मिल जाती है तो भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल, पोखरा अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल और काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के लिए उड़ानों का संचालन अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। फिलहाल गौतम बुद्ध और पोखरा अंतरराष्ट्रीय विमानस्थलों पर उतरने वाले विमानों को भी सिमरा के रास्ते लंबा चक्कर लगाकर पहुंचना पड़ता है। इससे उड़ान का समय 20 से 25 मिनट तक बढ़ जाता है। अतिरिक्त समय और ईंधन खर्च के कारण विदेशी विमानन कंपनियां भी इन दोनों अंतरराष्ट्रीय विमानस्थलों के लिए अपनी उड़ानों का विस्तार करने में रुचि नहीं दिखा रही हैं। नेपाल का मानना है कि महेन्द्रनगर के रास्ते नया हवाई प्रवेश मार्ग मिलने से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का समय और परिचालन खर्च कम होगा। साथ ही, भैरहवा और पोखरा अंतरराष्ट्रीय विमानस्थलों के संचालन तथा वहां अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के विस्तार को भी बढ़ावा मिल सकता है।नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के भारत भ्रमण के समय इस पर समझौता हो सकता है। खनाल ने कहा कि भारत के सकारात्मक रुख से हम आशावादी हैं कि इस बार कम से कम एक अतिरिक्त हवाई रूट पर समझौता हो जाएगा।

एसपी आवास के निकट शगुन ज्वैलरी की दुकान में शटर काटकर करोड़ों रुपए मूल्य के स्वणार्भूषण की चोरी

अररिया । एसपी आवास से महज दो सौ मीटर की दूरी पर अवस्थित शगुन ज्वैलरी की दुकान में बीती रात चोरों ने शटर को काटकर दुकान में रखे करोड़ो रुपए मूल्य के स्वणार्भूषण की चोरी कर ली।चोरों ने दुकान का शटर गैस कटर से काटकर दुकान में प्रवेश किया और फिर दुकान के अंदर शोकेस में रखे सभी स्वणार्भूषण पर हाथ साफ कर लिए।सूचना के बाद मौके पर सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह,नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक पुलिस अधिकारी और बलों के साथ मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

दुकान से चोरों ने कितने के स्वणार्भूषण की चोरी की,इसका सही से अभी पता नहीं चल पाया है,लेकिन ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि दुकान से करोड़ों रुपए मूल्य के स्वणार्भूषण की चोरी हुई है।मौके पर पहुंचे सदर एसडीपीओ और नगर थाना पुलिस दुकान सहित अगल बगल के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज खंगालने में जुटी है।चोरी के खुलासे को लेकर डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम का भी सहारा लिया जा रहा है।

मौके पर पहुंचे सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह ने बताया कि गैस कटर से दुकान का शटर को काटा गया और फिर चोर दुकान में प्रवेश कर चोरी की घटना को अंजाम दिया।दुकानदार द्वारा सूचना के बाद वे लोग मौके पर पहुंचे हैं और मामले की जांच कर रहे हैं। एसडीपीओ ने बताया कि अभी तक एक्जेक्ट चोरी की राशि का पता नहीं लग पाया है।सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को तत्काल खंगाला जा रहा है। जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

सोनिया गांधी का नाम 1980 में वोटर लिस्ट में जुड़वाने पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

कोर्ट ने पुलिस से एक्शन टेकन रिपोर्ट तलब की

एजेंसी



नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आज 1980 में वोटर लिस्ट में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का कथित रूप से नाम जुड़वाने पर एफआईआर दर्ज करने की मांग पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस से एक्शन टेकन रिपोर्ट तलब की है। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट विनोद जोशी ने मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को करने का आदेश दिया।

आज शिकायतकर्ता और वकील विकास त्रिपाठी ने 1980, 1981 और 1983 की सत्यापित मतदाता सूचियों की प्रतियां जमा की। इसके पहले कोर्ट ने 6 नवंबर को शिकायतकर्ता को अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने की अनुमति दी थी। कोर्ट इस मामले की नये सिरे से सुनवाई कर रही है। इसके पहले 21 सितंबर को स्पेशल जज विशाल गोगने ने मामला मजिस्ट्रेट को वापस भेजते हुए कहा था कि इस पर दोबारा विचार करें और तर्कसंगत आदेश पारित करें।

स्पेशल जल विशाल गोड़ने ने कहा था कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश तर्कसंगत नहीं है। मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को वकील विकास त्रिपाठी ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके पहले 11 सितंबर को एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने याचिका खारिज कर दी थी। याचिका में कहा गया था कि वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का नाम 1980 में ही जुड़ गया था जबकि वो 1983 में भारत की नागरिक बनीं।

याचिका में कहा गया था कि बीच में सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट से 1982 में हटाया गया और बाद में 1983 में फिर नाम जोड़ा गया। याचिका में कहा गया था कि सोनिया गांधी ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन भी अप्रैल 1983 में दिया था। याचिका में कहा गया था कि जब सोनिया गांधी

1983 में भारतीय नागरिक बनीं तो 1980 में वोटर लिस्ट में जोड़ने के लिए कुछ फर्जी दस्तावेज दिए गए होंगे, जो कि एक संज्ञेय अपराध है। ऐसे में

कोर्ट सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले पर न तो सोनिया गांधी को नोटिस जारी किया था और न ही दिल्ली पुलिस को।

राजनाथ सिंह जापान के रक्षा मंत्रालय पहुंचे, सोशल मीडिया में अपने समक्षक के साथ का फोटो किया साझा

एजेंसी



टोक्यो (जापान)। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जापान के रक्षा मंत्रालय पहुंच गए हैं। वहां जापान के रक्षामंत्री शिनजिरो कोइजुमी ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सिंह को औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह टोक्यो की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा (18-19 नवंबर) पर हैं। इस दौरान वे कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय रक्षा वार्ता करेंगे और भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर और जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के साथ मिलकर चौथे भारत-जापान विदेश और रक्षामंत्री स्तरीय संवाद (2+2) की सह-अध्यक्षता करेंगे।

राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट में जापान पहुंचने की पुष्टि की। उन्होंने वहां के रक्षामंत्री शिनजिरो कोइजुमी के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की। सिंह के एक्स हैंडल पर इस फोटो के परिचय में लिखा गया, "हम योकोसुका स्थित जेएमएसडीफ नौसैनिक अड्डे की ओर जा रहे हैं। मेरे जापानी समकक्ष एक बेहतरीन मेजबान की भूमिका निभा रहे हैं।"

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में कारोबारियों के घर आयकर विभाग की रेड

रायपुर। आयकर विभाग ने छत्तीसगढ़ के पांच जिलों–रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, दुर्ग और जांजगीर-चांपा में कई बड़े कारोबारियों के घरों और दफ्तरों पर एक साथ छापेमारी की है। यह कार्रवाई मुख्य रूप से कर चोरी और वित्तीय अनियमितता की शिकायतों के आधार पर की जा रही है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रायपुर, नागपुर और भोपाल से आई आयकर विभाग की टीमें सरिया (स्टील), कोयला और कंस्ट्रक्शन कारोबार से जुड़े बर्बरीक ग्रुप के संचालक श्रवण अग्रवाल और अन्य साझेदारों के घरों व दफ्तरों में दस्तावेज खंगाल रही हैं। इसके साथ ही रायगढ़ इस्पात समूह से जुड़े ठिकानों पर भी जांच शुरू कर दी गई है। रायपुर में रिंग रोड, शंकर नगर और खम्हारडीह क्षेत्र में भी छापेमारी की सूचना है। चंदखुरी स्थित बहनाकाड़ी गांव के एक फैक्टरी में दबिश दी गई है। वहीं तेलीबांधा रिंग रोड-1 स्थित पीआरए ग्रुप के ऑफिस में छापा पड़ा है। विभाग की टीमें संबंधित दस्तावेजों, कारोबारी लेनदेन और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच कर रही हैं। संबंधित कारोबारियों के व्यावसायिक रिकॉर्ड, आय-व्यय के ब्योरे और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जांच की जा रही है। वहीं, रायगढ़ में रायगढ़ इस्पात (कमल अग्रवाल) और सन स्टील के दफ्तरों व उद्योगों, तथा बिलासपुर में लोहा कारोबारी जेपी मित्तल के ठिकानों पर भी दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। सुबह 5 बजे के आसपास विभाग की अलग-अलग टीमें अलग-अलग इलाकों में पहुंचीं। मिली जानकारी के अनुसार, रायगढ़ इस्पात और बर्बरीक ग्रुप आपस में जुड़े हुए हैं।

हाल ही में, छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में ईओडब्ल्यू - एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की थी। हालांकि, यह छापेमारी कोल लेवी वसूली और सीएसएमसीएल शराब घोटाला मामले में की गई थी। टीम ने डेढ़ दर्जन से ज्यादा स्थानों पर छापा मारा था जिसमें कई कारोबारियों और अधिकारियों के घर-दफ्तर में दस्तावेज खंगाले गए थे।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार

सेंसेक्स 429 अंक टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दो दिन की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली से शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स में 429 अंक और निफ्टी में 141अंकों की गिरावट है।

फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 429.22 अंक यानी 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ 82,102.97 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 141.25अंक 0.56 टूटकर 25,246.15 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील केह्लशेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है।



बीएसई का सेंसेक्स 17 नवंबर तक इस महीने में करीब 11 फीसदी और एनएसई का निफ्टी 10 फीसदी से अधिक चढ़ा है। इसके साथ ही एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की 225 सूचकांक बढ़त में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट में रहे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 0.69 फीसदी गिरकर 92.53 डॉलर प्रति बैरल पर है।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 427.40 अंक यानी 0.52 फीसदी

उछलकर 82,532.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी भी 96.30 अंक यानी 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 25,387.40 अंक पर बंद हुआ था।

राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी पर दिलीप घोष ने साधा निशाना, धर्मांतरण रोकने के लिए नए कानून की वकालत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पंचायत मंत्री दिलीप घोष ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारतीय अर्थव्यवस्था संबंधी टिप्पणी पर पलटवार किया है। इसके साथ ही उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के न्यायपालिका संबंधी बयान और धर्मांतरण के मुद्दे पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। कोलंबिया विश्वविद्यालय में राहुल गांधी ने भारत की आर्थिक स्थिति को संकटग्रस्त करार दिया था। इस पर बुधवार सुबह प्रतिक्रिया देते हुए दिलीप घोष ने कहा, ह्लअंधा व्यक्ति दिन में भी अंधेरा देखता है।ह्व उन्होंने दावा किया कि भारत की जीडीपी आज दुनिया के लिए एक उदाहरण है और देश का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और पिछले 12 वर्षों से लोग बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि देश में कोई उनकी बात नहीं सुनता, इसलिए राहुल गांधी विदेश जाकर इस तरह के बयान देते हैं। अभिषेक बनर्जी की न्यायपालिका संबंधी टिप्पणी पर भी दिलीप घोष ने तृणमूल कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि सत्ता से बाहर होने पर तृणमूल कभी ईवीएम तो कभी चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराती है और अब न्यायपालिका को निशाना बना रही है। उनके अनुसार, देश की संवैधानिक व्यवस्था पर हमला करना उसकी एकता और अखंडता को चोट पहुंचाने के समान है। धर्मांतरण के मुद्दे पर भी घोष ने कड़ा रुख अपनाते हुए दावा किया कि धर्मांतरण की घटनाएं केवल स्कूलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विभिन्न बस्तियों और घनी आबादी वाले इलाकों में भी हो रही हैं। उन्होंने इसे राष्ट्रविरोधी गतिविधि और अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा बताते हुए इस पर रोक लगाने के लिए आवश्यकता पड़ने पर नया कानून बनाने की वकालत की।

न्यूज IN ब्रीफ

ब्राउन शुगर और प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ एक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी। भारत-नेपाल सीमा से सटे नक्सलबाड़ी के बेंगाइजोत इलाके में पुलिस ने 29 ग्राम ब्राउन शुगर और 15 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान नक्सलबाड़ी के लालजीजोत निवासी स्वपन बर्मन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर रात नक्सलबाड़ी के बेंगाइजोत इलाके में 327 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री के लिए लेनदेन की योजना बनाई जा रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस टीम ने इलाके में अभियान चलाया। पुलिस ने संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसके जवाबों में असंगतियां मिलने पर तलाशी ली गई। इस दौरान उसके कब्जे से 29 ग्राम ब्राउन शुगर और 15 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद हुआ। बुधवार को आरोपित को सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया जाएगा।

लाहौर में पुलिस ने पीटीआई के तीन नेताओं को हाई कोर्ट से बाहर निकलते ही गिरफ्तार किया



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। कई साल से रावलपिंडी की जेल में बंद अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता तैमूर सलीम झागरा, कामरान बंगश और इरफान सलीम को मंगलवार को पेशावर उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) के बाहर गिरफ्तार कर लिया गया। यह गिरफ्तारी पेशावर में रेडियो पाकिस्तान पर 9 मई को हुए हमले के सिलसिले में की गई है।,द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के समय हाई कोर्ट के मुख्य प्रवेश द्वार पर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस) फरहान खान अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। पुलिस ने बताया कि तीनों नेता रेडियो पाकिस्तान हमले के मामले में आतंकवादरोधी अदालत के जमानत याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद अंतरिम जमानत की मांग करने हाई कोर्ट पहुंचे थे। हिरासत में लिए जाने से पहले वे हाई कोर्ट के बार रूम में मौजूद थे। हाई कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत की याचिकाओं को मंजूर कर लिया था। गौरतलब है कि रेडियो पाकिस्तान हमले के मामले में आतंकवादरोधी अदालत द्वारा मांगी गई पंजाब फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी की रिपोर्ट में 9 मई 2023 की घटनाओं से जुड़े फुटेज में सलीम सहित कई पीटीआई नेताओं की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी। लैब ने पेशावर पुलिस के अनुरोध पर एक यूएसबी डिवाइस में दी गई 16 वीडियो क्लिप की जांच की। विश्लेषण में इन नेताओं की प्रोफाइल तस्वीरों और फुटेज में दिख रहे व्यक्तियों के बीच समानताएं पाई गईं। रिपोर्ट में दो वीडियो क्लिप में छेड़छाड़ के सबूत भी मिले हैं, जो खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के अलावा इरफान सलीम से जुड़े हैं। यह फॉरेंसिक जांच 19 से 23 दिसंबर 2025 के बीच की गई। बताया गया है कि 9 मई को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में नेशनल अकाउंटिबिलिटी ब्यूरो के वारंट के तहत इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इस ऐतिहासिक इमारत पर हमला कर दिया। खान की गिरफ्तारी से पार्टी कार्यकर्ता भड़क गए और देश के कई शहरों में सड़कों पर उतर आए। उन्होंने सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया, जिसमें सैन्य प्रतिष्ठान भी शामिल थे। पेशावर भी उन शहरों में से एक है जहां तोड़फोड़ की गई। प्रदर्शनकारियों ने रेडियो पाकिस्तान की ऐतिहासिक इमारत पर धावा बोला। जमकर तोड़फोड़ की। इसके बाद उन्होंने इमारत में आग लगा दी।

चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में 20-21 नवंबर को बारिश की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड के बीच एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से प्रदेश के कई इलाकों में बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस दौरान तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के ताजा बुलेटिन के अनुसार, आज बुधवार 18 से 23 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। वहीं, 20 और 21 नवंबर को प्रदेश के कई इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है। इस दौरान बादल गरजने-चमकने के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने के आसार हैं। हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा रहने तथा झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दुर्ग में सबसे अधिक 31.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। वहीं, अंबिकापुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम में बदलाव के साथ आने वाले दिनों में प्रदेश के तापमान और ठंड पर भी असर पड़ सकता है। दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'अकवान' पिछले छह घंटों के दौरान 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा है। 19 नवंबर की सुबह तक चक्रवाती तूफान का रूप लेने का अनुमान है। इसके बाद तूफान के उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए 20 नवंबर 2026 की दोपहर के आसपास आंध्र प्रदेश और यनम के तट पर नेल्लोर और विशाखापत्तनम के बीच टकराने की आशंका जताई गई है।

ओडिशा विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से

भुवनेश्वर। ओडिशा विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है। यह सत्र 31 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान कुल 33 कार्यदिवस निर्धारित किए गए हैं। सत्र के पहले दिन वित्तीय वर्ष 2026-27 का पहला अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा। विधानसभा के प्रस्तावित कार्यसूची के अनुसार, सत्र की शुरूआत सरकारी कार्यों के साथ होगी। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रथम अनुपूरक व्यय विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। 19 नवंबर को भी सरकारी कार्य निर्धारित हैं, जबकि शुक्रवार, 20 नवंबर को गैर-सरकारी सदस्यों के कार्यों के तहत विधेयकों और संकल्पों पर चर्चा होगी। सदन की बैठक शनिवार, 21 नवंबर और सोमवार, 23 नवंबर को भी होगी। वहीं, मंगलवार, 24 नवंबर को रास पूर्णिमा के अवसर पर विधानसभा की कार्यवाही स्थगित रहेगी। इसके बाद 25, 26 और 27 नवंबर को पहले अनुपूरक व्यय विवरण से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा और मतदान होगा। सप्ताहांत के अवकाश के बाद सोमवार, 30 नवंबर को अनुपूरक बजट से संबंधित विनियोग विधेयक सदन में पेश किया जाएगा। इसी दिन विधेयक पारित किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित है।

न्यूज IN ब्रीफ

पुल निर्माण कार्य में अनियमितता ग्रामीणों ने रुकवाया काम

बरकट्ठा : प्रखंड अंतर्गत नयाडीह गांव में कुंडलिवा नदी पर मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत बन रहे पुल के निर्माण कार्य में भारी अनियमितता का मामला सामने आया है। तीन करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से बीके इंटरप्राइजेज द्वारा कराए जा रहे इस निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और मानकों की अनदेखी से आक्रोशित ग्रामीणों ने तत्काल प्रभाव से काम बंद करा दिया है। पुल निर्माण की खबर मिलते ही इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई थी, लेकिन जैसे-तैसे और मानकविहीन तरीके से हो रहे काम को देखकर ग्रामीणों का सब्र टूट गया। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा डीपीआर के नियमों को ताक पर रखकर मनमाने ढंग से काम किया जा रहा है। निर्माण कार्य में सीमेंट की मात्रा बेहद कम रखी जा रही है, घटिया सामग्री का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है और तो और, डिजाइन के अनुसार 12 एमएम छड़ की जगह महज 6 से 8 एमएम की छड़ों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिससे पुल की मजबूती पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है। मामले की सूचना मिलने पर पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि बसंत साव तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ठेकेदार की कार्यशैली पर कड़ा ऐतराज जताते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि यदि तय मानकों और डीपीआर के मुताबिक गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं हुआ, तो निर्माण कार्य किसी भी कीमत पर आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक ग्रामीण कार्य विभाग (विशेष प्रमंडल) के कनीय अभियंता (जेई) मौके पर पहुंचकर डीपीआर उपलब्ध नहीं कराते हैं, तब तक निर्माण कार्य पूरी तरह से बंद रहेगा। इस विरोध में हीरालाल साव, महफुज अंसारी, विजय यादव, संजय साव, मिथलेश कसेरा, राहुल गुप्ता, महेंद्र कसेरा, लखन सोनी, विजय दास, मनोज गुप्ता और जागेश्वर गोप समेत सैकड़ों ग्रामीण शामिल थे।

गुरूवाणी से माहौल हुआ भक्तिमय

रामगढ़ : सिख धर्म के प्रवर्तक व सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव को लेकर मंगलवार को छठे दिन की प्रभात फेरी श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित की गई। प्रभात फेरी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा सुबह 5:00 बजे शुरू होकर लोहार टोला, मेन रोड होते हुए गोविंद क्राकरी पहुंची । जहां साध संगत का फूलों से स्वागत किया और चाय नाश्ते का प्रबंध किया गया। प्रभात फेरी में निशान साहिब लेकर सरदार गुरजोत सिंह सैनी प्रभात फेरी की अगुवाई कर रहे थे।
गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी की ओर से सरदारनी रविंद्रजीत कौर पवार ने सरदारनी जसपाल कौर कालरा को सिरोपा देकर सम्मानित किया। प्रभात फेरी के छठे दिन भी साध संगत में स्त्री,पुरुष एवम् बच्चों ने गुरबाणी,शबद कीर्तन कर आगे आगे चल रहे थे पूरा माहौल भक्ति मय हो गया था। साध-संगत ने गुरु भक्ति के शबद कीर्तन किये। रामगढ़ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मीडिया प्रभारी करमजीत सिंह जग्गी ने बताया कि प्रभात फेरी बृहस्पतिवार को सरदार नवतेज सिंह छाबड़ा (गुरु नानक मोहल्ला) के यहां जाएगी। प्रभात फेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, कुलवंत सिंह मारवाह खजांची रघुवीर सिंह छाबड़ा, हेड ग्रंथी सरदार गुरविंदर सिंह ,तेजेंद्र सिंह सोनी, जगजीत सिंह सोनी, गुरप्रीत सिंह, पलविंदर सिंह बल,मंजीत सिंह कुजू वाले, , प्रीतम सिंह कालरा, जगजीत सिंह रमन कोहली,देवेंद्र पाल सिंह,इकबाल सिंह,राजा कालरा, , हरजीत सिंह छाबड़ा, विंकल कालरा, त्रिलोचन सिंह जैसल,पप्पू सिंह, रम्मींदर सिंह गांधी , विक्की छाबड़ा, नरेंद्र सिंह होरा, गुरदीप सिंह सैनी, जसविंदर सिंह,अंगद सिंह, रिंटू छाबड़ा, जसकीरत सिंह सैनी,, रौनक छाबड़ा, , यश छाबड़ा, हैप्पी संगोत्रा,,मन्नत सिंह, ,परमजीत कौर भूसरी, सूमी जौली, गुरबक्श कौर सैनी, जसमीत कौर सोनी, , सोनम कालरा, गगन जग्गी, बलविंदर कौर छाबड़ा, हरप्रीत कौर पवार,शरण कौर छाबड़ा,
रंजीता कौर छाबड़ा, लवली लांबा, रविंदरजीत कौर पवार, मनप्रीत कौर, बबली सोनी,रंजीत कौर पवार , निक्की लांबा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

डीआईजी पहुंचे बरही, थानों की कार्रवाई की समीक्षा की

बरही : हजारीबाग रेंज के डीआईजी अंजनी कुमार झा ने मंगलवार को बरही एसडीपीओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अनुमंडल क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मौके पर एसपी अमन कुमार, एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार सहित बरही थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी और कर्मी मौजूद थे। इस दौरान डीआईजी ने एसडीपीओ से अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानों की अद्यतन कार्रवाई की जानकारी ली। लंबित कांडों के निष्पादन, आपराधिक घटनाओं की जांच और अपराध नियंत्रण की स्थिति की समीक्षा की गई। इस क्रम में बरही इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने बरही क्षेत्र की वर्तमान कानून-व्यवस्था और हालिया घटनाक्रम से अवगत कराया। एके इंटरनेशनल होटल गोलीकांड, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जारी छापेमारी और लंबित मामलों में त्वरित कार्रवाई पर विशेष चर्चा हुई।
इस दौरान डीआईजी ने अनुमंडल क्षेत्र में नशे से जुड़ी गतिविधियों, चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण तथा शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए नियमित पुलिस गश्ती की स्थिति की जानकारी ली गई। डीआईजी ने अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

टाटा स्टील कलिंगानगर में स्टील प्लांट की ऑफ-गैस से करेगी हाइड्रोजन उत्पादन

जमशेदपुर : टाटा स्टील ह्यूस्टन स्थित यूटिलिटी ग्लोबल के सहयोग से ओडिशा के कलिंगानगर प्लांट में स्टील प्लांट की ऑफ-गैस का उपयोग करके हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में भारत की पहली परियोजना के लिए संयुक्त फ्रंट-एंड इंजीनियरिंग और डिजाइन अध्ययन शुरू करने जा रही है। यह परियोजना यूटिलिटी ग्लोबल की तकनीक पर आधारित होगी, जिसकी क्षमता 10 टन प्रतिदिन होगी। यह सुविधा स्टील निर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न ऑफ-गैस का उपयोग करके उच्च शुद्धता वाली हाइड्रोजन का उत्पादन करेगी।टाटा स्टील के प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास, नई सामग्री व्यवसाय और ग्राफीन के उपाध्यक्ष सुभोद पांडे ने कहा कि किसी भी तकनीक को स्टील डीकाबोर्नाइजेशन में सार्थक योगदान देने के लिए उसे चालू स्टील प्लांट के पैमाने और जटिलता पर काम करना होगा। तकनीकें मौजूदा ढांचे का लाभ उठाते हुए उत्सर्जन कम करने का अवसर देती हैं। यूटिलिटी ग्लोबल के साथ यह सहयोग टाटा स्टील की गहन परिचालन डीकाबोर्नाइजेशन यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।यूटिलिटी ग्लोबल ने एक इलेक्ट्रोकेमिकल प्रक्रिया विकसित की है जो कार्बन मोनोऑक्साइड युक्त स्टील प्लांट गैसों का उपयोग करके उच्च शुद्धता वाली हाइड्रोजन का उत्पादन करती है। इस तकनीक का प्रदर्शन पहले कनाडा में एक स्टील उत्पादक के ब्लास्ट फर्नेस प्लांट में वास्तविक ब्लास्ट फर्नेस गैस का उपयोग करके किया गया है।यह पहल टाटा स्टील की 2045 तक नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य के अनुरूप है। कंपनी ने पहले अपने ब्लास्ट फर्नेस में कोल बेड मीथेन, हाइड्रोजन और बायोचार इंजेक्शन का प्रदर्शन किया है।

सरकार के द्वितीय वर्षगांठ के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त ने विभागवार कार्यक्रमों की सौंपी जिम्मेदारी

17 से 27 नवंबर तक विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाएंगे कार्यक्रम, उप विकास आयुक्त बनाए गए नोडल पदाधिकारी

संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा, 2026 तथा वर्तमान सरकार के द्वितीय वर्षगांठ के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इस क्रम में उपायुक्त, सिमडेगा द्वारा मुख्य सचिव, झारखंड के दिए गए निर्देशों के आलोक में जिले में विभागवार कार्यक्रमों के आयोजन हेतु संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।



निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 17 नवंबर को जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, 18 नवंबर को पशुपालन विभाग, 19 नवंबर को कृषि, मत्स्य, भूमि संरक्षण, आत्मा एवं उद्यान विभाग, 20 नवंबर को पुलिस प्रशासन एवं खेल विभाग, 21 नवंबर को राजस्व एवं आपूर्ति विभाग, 23 नवंबर को परिवहन विभाग, 25 नवंबर को शिक्षा विभाग, 26 नवंबर को स्वास्थ्य विभाग तथा 27 नवंबर को समाज कल्याण एवं नियोजन विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
इसके तहत संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अपने-अपने विभाग अंतर्गत संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कार्यक्रम निर्धारित तिथियों पर आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई है। सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए उप विकास आयुक्त, सिमडेगा के साथ समन्वय स्थापित करना सुनिश्चित करेंगे।
कार्यक्रमों के सफल संचालन एवं समन्वय के लिए उप विकास आयुक्त, सिमडेगा को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। साथ ही जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे उप विकास आयुक्त के मार्गदर्शन में अपने-अपने प्रखंडों में निर्धारित कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करेंगे।

ट्रक ने टेंपो में मारी टक्कर, दो युवक घायल

बरकट्ठा : प्रखंड क्षेत्र के जीटी रोड स्थित डाकडीह मोड़ के समीप सड़क हुई दुर्घटना में टेंपो सवार दो युवक घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक संख्या डब्ल्यूबी 41 जे 9741 अनियंत्रित होकर एक टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में टेंपो पर सवार बंडासिंगा निवासी दिलीप गोस्वामी (18 वर्ष), पिता त्रिलोकी गोस्वामी एवं आदित्य गोस्वामी (14 वर्ष), पिता अमित गोस्वामी घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही बेलकपी के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन राणा घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया।घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

यूसीसी के बहाने देश की विविधता पर एकरूपता थोपना चाहती है भाजपा : बिट्टू पाठक

कांग्रेस नेता ने कहा, संविधान की आत्मा विविधता और लोकतांत्रिक मूल्यों में निहित

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : (समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर भाजपा की राजनीति पर कांग्रेस के प्रदेश सचिव एवं पूर्व जिलाध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा एकरूपता थोपने की राजनीति कर रही है, जबकि भारत की पहचान उसकी विविधता, सांस्कृतिक विरासत और संवैधानिक मूल्यों से है।
उन्होंने कहा कि भाजपा कभी 'एक देश, एक चुनाव', कभी 'एक देश, एक टैक्स' और अब 'एक देश, एक कानून' का नारा देकर देश की विविधता को सीमित विचारधारा में समेटना चाहती है। सवाल है कि भाजपा का अगला नारा 'एक देश, एक पार्टी, एक विचारधारा' होगा? उन्होंने कहा कि समान अधिकारों की बात उचित है, लेकिन समानता के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक पहचान और संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बिट्टू पाठक ने कहा कि कांग्रेस संविधान, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने भाजपा पर बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की परेशानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत किसी एक विचारधारा का राष्ट्र नहीं, बल्कि अनेक विचारों और संस्कृतियों का साझा देश है। संविधान एकता का संदेश देता है, एकरूपता थोपने का नहीं।



अमित एवं सुमित का झारखंड खो-खो टीम में चयन

रामगढ़ : श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल रामगढ़ के लिए यह अत्यंत गर्व एवं हर्ष का अवसर है कि विद्यालय के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ी अमित कुमार एवं सुमित कुमार का चयन झारखंड की टीम में 45वीं जूनियर राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप के लिए हुआ है।
खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित होने वाली यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता गुजरात के वडोदरा में आयोजित की जाएगी। दोनों खिलाड़ी 18 नवंबर को प्रतियोगिता में भाग लेने एवं झारखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए वडोदरा रवाना होंगे।
राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की टीम में स्थान प्राप्त करना दोनों खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, लगन, अनुशासन एवं खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उनकी यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे रामगढ़ क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

जेएमएम किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने किया संगठन विस्तार

पलामू के सभी प्रखंडों में नई कमिटी गठित

मेदिनीनगर : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पलामू जिले में झामुमो किसान मोर्चा का विस्तार किया गया है।किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष वशिष्ठ कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह के निदेर्शानुसार हुसैनाबाद, हैदरनगर और मोहम्मदगंज प्रखंड समेत पलामू जिले के सभी प्रखंड की नई कमिटियों का गठन कर पदाधिकारियों की सूची जारी की गई है।
प्रखंडवार गठित कमिटियों में हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष की जिम्मेदारी पवन कुमार चौधरी को सौंपी गई है। वहीं सुनील कुमार सिंह एवं मुकेश कुमार सिंह को उपाध्यक्ष, सुदर्शन सिंह को सचिव, अभिमन्यु चौधरी को संगठन सचिव तथा अरुण सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।
इसी प्रकार हैदरनगर प्रखंड अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह , उपाध्यक्ष बलिन्द्र सिंह , सचिव रामस्वरूप राम , संगठन सचिव अरविन्द सिंह एवं कोषाध्यक्ष अशोक पासवान बनाए गए हैं।मोहम्मदगंज प्रखंड में अस्फाक खान को अध्यक्ष, शिवनाथ राम एवं रामाश्रय सिंह को उपाध्यक्ष, मनोज कुमार मेहता को सचिव, अजीत सिंह को संगठन सचिव तथा नन्दु रजवार को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष वशिष्ठ कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ संगठन को मजबूत करेंगे तथा किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए झामुमो की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

स्नातक पाठ्यक्रमों में 48,884 नामांकन के साथ विभावि झारखंड में फिर अव्वल

संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने 2026 के स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकन के मामले में एक बार फिर झारखंड में कीर्तिमान स्थापित किया है। इसकी जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के चांसलर पोर्टल के नोडल पदाधिकारी तथा विज्ञान के संकायाध्यक्ष डॉ. इंद्रजीत कुमार ने मंगलवार को बताया कि वर्ष 2026 में विश्वविद्यालय अब तक 48,884 नामांकन के साथ झारखंड में सर्वाधिक नामांकन दर्ज करने वाला विश्वविद्यालय बना है। इसके अलावा, झारखंड राज्य में नामांकन के लिए विद्यार्थियों के बीच सर्वाधिक पसंदीदा विश्वविद्यालय के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने अपनी पहचान बनाए रखी है। इस वर्ष सर्वाधिक 77,540 आवेदन विनोबा भावे विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए समर्पित किए गए। ज्ञात हो कि प्रो. चंद्र भूषण शर्मा के कुलपति बनने के बाद विश्वविद्यालय की नामांकन समिति की बैठक में नामांकन हेतु प्रभावी नीति बनाई गई थी, जिसे कुलपति ने व्यक्तिगत रुचि लेकर योजनाबद्ध तरीके से लागू भी करवाया।
नामांकन कोषांग में सहायक दीपू कुमार ने बताया कि चांसलर पोर्टल झारखंड की वेबसाइट पर दर्शाए गए आंकड़ों के अनुसार 35,863 नामांकन (कुल आवेदन 65,839) के साथ रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वितीय स्थान पर तथा 30,401 नामांकन (कुल आवेदन 57,115) के साथ सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका तृतीय स्थान पर है। इसी प्रकार, विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद में 22,030, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय, पलामू में 19,125 तथा कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा में 17,197 नामांकन दर्ज हुए हैं। इन विश्वविद्यालयों में समर्पित किए गए आवेदनों की संख्या क्रमशः 41,822, 19,125 तथा 32,397 है। चांसलर पोर्टल वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में 2,195, रांची स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में 3,550 तथा झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, रांची में कुल 251 विद्यार्थियों के ही नामांकन दर्ज हुए हैं।

चक्रधरपुर में बना इतिहास गंगा आरती से छठ महापर्व हुआ अलौकिक और हर्षोल्लास



संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर में इस बार छठ महापर्व अपने आप में लोलौकिक और ऐतिहासिक रहा इसकी प्रमुख वजह यह रही कि संध्या बेला और प्रातः काल में छठ महापर्व के अवसर पर गंगा आरती से लोग काफी अभिभूत हुए हैं और इस अलौकिक महा आरती को काफी सराहा भी चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव एवं छठ पूजा समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य गण के सकारात्मक सहयोग और बेहतर प्रयास के फल स्वरुप चक्रधरपुर
में इस बार महा छठ पर्व काफी ऐतिहासिक रहा काशी बनारस से आए प्रकांड विद्वान और आरती कताओं ने मां गंगा की आरती से सबों को मंत्र मुग्ध कर दिया और लोग काफी आनंदित भी हुए चक्रधरपुर में पहली बार गंगा आरती का आयोजन को शहर वासियों ने काफी सराहा और इसके लिए चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव एवं छठ केंद्र समिति के सभी पदाधिकारी सदस्यों को भी इसके लिए धन्यवाद दिया इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी उपलब्धि और कामयाबी की बात यह रही की सभी छठव्रती एवं अर्घ्य अर्पित करने वाले श्रद्धालुगण काफी समय तक उपस्थित रहे और गंगा आरती का आनंद लिया।

सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर ग्रामीण बनें आत्मनिर्भर : सुधीर मंगलेश

रामगढ़ : दुलमी प्रखंड मुख्यालय परिसर में मंगलवार को दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश व प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित मिश्रा ने दर्जनों लाभुकों के बीच मुर्गी चूजों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सुधीर मंगलेश ने कहा कि सरकार की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। मुर्गी पालन ग्रामीण परिवारों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर माध्यम है। इससे परिवारों की आमदनी बढ़ेगी और उन्हें आर्थिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने लाभुकों से अपील की कि वे मुर्गी चूजों का उचित देखभाल एवं पालन-पोषण करें और इस योजना का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मौके पर महेंद्र ओहदार, उतम कुमार, राजकुमार महतो आदि उपस्थित थे।

चक्रधरपुरः वार्ड संख्या 9 में पीसीसी सड़क और कलवर्ट निर्माण का शिलान्यास, नागरिकों में खुशी

संवाददाता

चक्रधरपुर : नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत सभी वार्डों में बुनियादी और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को गति देने के उद्देश्य से बुधवार को वार्ड संख्या 9 में पीसीसी सड़क एवं कलवर्ट निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव और स्थानीय वार्ड पार्षद शेखावत हुसैन ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर और आधारशिला रखकर इस योजना का शुभारंभ किया।
यह महत्वपूर्ण निर्माण कार्य राजेश प्रसाद के घर से गुमटी सैलून, कोलचाकड़ा तक कराया जाएगा।
विकास कार्यों को धरातल पर उतारना सर्वोच्च प्राथमिकताः अध्यक्ष
इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना नगर परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली और कलवर्ट जैसी सुविधाओं के सुदृढ़ होने से आम नागरिकों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलती है और जलजमाव की पुरानी समस्याओं से भी निजात मिलती है।



अध्यक्ष श्री उरांव ने आगे कहा कि नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित कर योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य धरातल पर उतारे जा रहे हैं। हमारा निरंतर प्रयास है कि चक्रधरपुर नगर परिषद का कोई भी क्षेत्र या मोहल्ला विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे।
गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा
कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष ने संवेदक (कॉन्ट्रैक्टर) और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए और इसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए ताकि जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद शेखावत हुसैन, सन्नी खान, शहनवाज खान, जीसान, आसिफ, मोहम्मद रकीब, संतोष कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।